इंदौर, सोमवार 03 नवंबर 2025
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 06
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

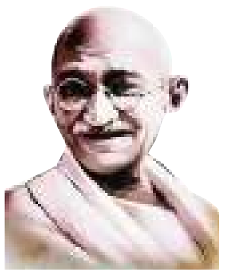

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

सीएम ने इंदौर की एक और विधानसभा को बताया अयोध्या

पेज-2

केन विलियमसन ने अंतराष्ट्रीय टी-20 से लिया संन्यास

पेज-5

तीन माह की छूट, अब ई-अटेंडेंस के आधार पर मिलेगा वेतन

पेज-6

हमारी छोरियां हुई मालामाल...

इंदौर ● महिला क्रिकेट में भारत की ऐतिहासिक जीत पर बीसीसीआई ने 51 करोड़ रुपये का पुरस्कार घोषित किया। यह पुरस्कार राशि विश्व कप जीतने पर मिलने वाली ईनामी राशि 39 करोड़ 55 लाख के के अतिरिक्त होगी।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में रीति पाठक सबसे आगे

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ◐ मध्यप्रदेश भाजपा में महिला मोर्चा की नई प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर संगठन में पिछले कई दिनों से विचार चल रहा है। सीधी से विधायक रीति पाठक का नाम इन चर्चाओं में प्रमुख रूप से उभरकर सामने आ रहा है। पार्टी के अंदरूनी स्तर पर यह माना जा रहा है कि महिलाओं के ऐसे नेतृत्व की तलाश है जो न सिर्फ संगठनात्मक रूप से मजबूत हो बल्कि महिला मतदाताओं के साथ जुड़ने और मुद्दों को प्रभावी रूप से उठाने में भी सक्षम हो।

सूत्रों के मुताबिक हेमंत खंडेलवाल अपनी टीम को सशक्त और मजबूत रखना चाहते हैं। इसके चलते ही वे महिला मोर्चा के लिए अब तक कई संभावित नाम पर विचार पार्टी के अन्य नेताओं से कर चुके हैं। बिहार चुनाव में संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के व्यस्त होने के चलते फिलहाल नाम तय नहीं हो पा रहा है, लेकिन दस नवंबर के बाद पार्टी महिला मोर्चा की अध्यक्ष को लेकर निर्णय ले लेगी। ऐसा माना जा रहा है कि शीर्ष नेतृत्व की प्राथमिकता ऐसे चेहरे पर है जो महिलाओं को पार्टी से लगातार जोड़ सके। पार्टी एक बड़ा पद ब्राह्मण नेता को भी देना चाहती है। उस लिहाज से रीति पाठक का जातिगत और श्रेत्रीय समीकरण ठीक बैठ रहे हैं। रीति पाठक सीधी से सांसद भी रह चुकी है। बतौर जनप्रतिनिधि उनका लंबा अनुभव है, इसलिए भी उनका नाम इस पद के लिए सबसे मजबूत माना जा रहा है।

डीएविवि में गत वर्ष से प्रवेश ज्यादा, फिर भी खाली रह गई सीटें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ◐ देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में सीईटी के माध्यम से यूजी और पीजी में एडमिशन की प्रक्रिया पूरी की गई। विश्वविद्यालय में गत वर्ष के मुकाबले इस बार करीब 700 एडमिशन अधिक हुए हैं। इसके बावजूद विश्वविद्यालय को हर साल करीब 1.20 करोड़ का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। दरअसल इस वर्ष सीयूईटी में 1495 सीट पर 1150 एडमिशन ही हालांकि यूजी में सभी सीटें पूरी भर गई। पीजी में कुछ पाठ्यक्रम तो ऐसे भी हैं जिनमें एक भी एडमिशन नहीं हुआ।

सालाना फीस 40 से 45 हजार रुपए: पीजी में कुछ विभागों के पाठ्यक्रमों में आधी से ज्यादा सीटें खाली हैं। सीयूटी पीजी में 1495 सीट पर 1150 एडमिशन ही हुए। सूत्रों की माने तो 300 से अधिक एडमिशन या तो कैंसल हो गए है या फिर उन सीटों पर कोई एडमिशन ही नहीं हुआ है। कुछ पाठ्यक्रम तो ऐसे भी है जिनमें सीटों के मुकाबले गिनती के ही एडमिशन हुए हैं। जहां एडमिशन लिया ही नहीं गया या फिर कैंसल किया गया है उनकी सालाना फीस लगभग 40 से 45 हजार रुपए है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि विश्वविद्यालय को लगभग 1.20 करोड़ रुपए सालाना का नुकसान उठाना पड़ेगा। यदि इन सीटों पर भी हर विभाग के पाठ्यक्रम की पूरी सीट भरने का रहता है प्रयास गत वर्ष के मुकाबले इस बार सीयूईटी के माध्यम से करीब 700 एडमिशन अधिक हुए हैं। हमारा प्रयास रहता है कि हर विभाग के पाठ्यक्रम में पूरी सीटें भरी जाए। इस वर्ष यूजी में सभी सीटों पर एडमिशन हुए।

बरकरार है इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी: विश्वविद्यालय के कई विभागों में विद्यार्थियों के हिसाब से इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी भी बनी हुई है। विभागीय सूत्रों की माने तो 50-60 विद्यार्थी को ही पढ़ाने में फैकल्टी को जो एनर्जी लगाना पड़ती है उससे अब काम नहीं चल सकेगा। इसके लिए प्रबंधन को टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर ऑडियो सिस्टम, क्लासरुम जहां इतने विद्यार्थी बैठ सके आदि तैयारी करना चाहिए। प्रबंधन के सामने मुश्किल यह भी है कि वह दो सेक्शन भी नहीं कर सकता है क्योंकि पहले ही यहां फैकल्टी की कमी है। फैकल्टी की कमी विजिटिंग फैकल्टी से पूरी करना पड़ रही है, इसलिए प्रबंधन को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

विश्वविद्यालय में विषय और छात्र के अनुपात में शिक्षकों के नहीं होने से भी फर्क पड़ता है। विश्वविद्यालय के अधिकांश विभाग गेस्ट फैकल्टी के भरोसे ही है। शिक्षकों का अभाव उच्च शिक्षा में बड़ी बाधा है। विश्वविद्यालय में आधे से अधिक शिक्षकों के पद खाली हैं। गेस्ट फैकल्टी से कक्षाएं चलाई जा रही है। ऐसे में क्वालिटी शिक्षा की बात बेबुनियाद है। बेहतर शिक्षा प्रणाली के लिए कक्षा में छात्र व शिक्षक का सही अनुपात होना जरुरी है।

सीटों की संख्या में इजाफा फिर भी नहीं दिखाई रुचि

विभागीय सूत्रों की माने तो पहले भी कुछ सीटें खाली रह जाती थी लेकिन सीटों की संख्या में इजाफा किया जाता है, जिसके बावजूद विद्यार्थियों ने एडमिशन लेने में रुचि नहीं दिखाई। जो एडमिशन कैंसल हुए है अब उन पर एडमिशन नहीं हो सकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

- जम्मू-कश्मीर : कुलगाम में सुरक्षाबलों की कार्रवाई, आतंकियों का ठिकाना तबाह
- टीएमसी विधायक ज्योतिप्रिय मलिक पर हमला, आरोपी गिरफ्तार
- पश्चिम बंगाल : बिप्लब सरकार के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, पाकिस्तानी नागरिक से कनेक्शन का मामला
- तेलंगाना : रंगारेड्डी में ट्रक ने बस को मारी टक्कर, 16 की मौत, 10 घायल
- बिहार : जमुई के चोरमारा गांव से खत्म हुआ नक्सल प्रभाव, सुरक्षा बलों ने कराया मुक्त
- केंद्र सरकार के अधिकारी ने कहा- दिल्ली में क्लाउड सीडिंग ट्रायल सिर्फ एक प्रयोग है
- ईडी ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह की 3,084 करोड़ की संपत्ति जब्त की
- कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया 15 नवंबर को दिल्ली दौरे पर रहेंगे
- यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने का फिलहाल प्लान नहीं- ट्रंप
- देहरादून में आज विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू
- बिहार : पीएम मोदी आज सहारसा-कटिहार में जनसभाएं करेंगे

अग्नि सुरक्षा मानकों में मिली लापरवाही, पूरे जिले में चला अभियान

अग्नि हादसे के बाद प्रशासन जागा ताबड़तोड़ 10 प्रतिष्ठान किए सील

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ◐ शनिवार को राऊ थाना क्षेत्र में हुए हादसे में दो महिलाओं की मौत हुई थी। मौत के बाद एक बार फिर से फायर सेफ्टी को लेकर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने अभियान शुरू किया। रविवार सुबह से ही कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर पूरे जिले में फायर सेफ्टी जांच अभियान शुरु किया गया। प्रशासनिक टीमों ने औद्योगिक क्षेत्रों, गोदामों और फैक्ट्रियों में जाकर सुरक्षा मानकों की पड़ताल की। इस दौरान जहां भी लापरवाही और फायर सेफ्टी उपकरणों की कमी पाई गई, वहां तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रतिष्ठान को सील कर दिया।

हाल ही में इंदौर जिले में हुई अग्नि दुर्घटना को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसको लेकर कलेक्टर के निर्देशन में जिले में अग्नि सुरक्षा के मानकों की समीक्षा के लिए विशेष जांच अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के अंतर्गत जिले के सभी एसडीएम द्वारा विभिन्न औद्योगिक, व्यावसायिक और भंडारण प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर अग्नि सुरक्षा उपकरणों की अनुपलब्धता, अग्निशमन की तैयारी में कमी तथा अन्य अनियमितताएं पाई गईं। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 10 कारखानों, गोदामों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सील किया गया है।

45000 लीटर एसिड जब्त

रविवार को राऊ क्षेत्र में एसडीएम गोपाल वर्मा के दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। फायर सेफ्टी से संबंधित मानक का उल्लंघन होने के अलावा अन्य अनियमितता पाए जाने पर कॉटन सीड ऑयल का उत्पादन करने वाली चार फैक्ट्रियों को सील किया गया। दल द्वारा हनुमान ऑयल मिल, श्याम ऑयल मिल, जय श्री नेचुरल प्राइवेट लिमिटेड और घीया ऑयल प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड को मौके पर जाँच उपरांत सील किया गया। दल द्वारा चोइथराम स्कूल के पीछे अवैध रूप से भण्डारित एसिड पर कार्यवाही करते हुए लगभग 45000 लीटर एसिड जप्ती की कार्यवाही की गई। ग्राम पिगडम्बर में अवैध रूप से संचालित एक प्लास्टिक फैक्ट्री को सील करने की कार्यवाही व निर्धारित मानकों के अनुसार संचालन नहीं होने से तीन आईल फैक्ट्री को सील किया गया है।

77 हजार करोड़ का हवाला देकर नहीं खरीदी होगी गेहूं-धान की!

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ◐ मप्र सरकार ने गेहूं और धान की सरकारी खरीदी करने से हाथ खड़े कर दिए हैं। नागरिक आपूर्ति निगम (नान) पर चढ़े 77,000 करोड़ रुपए के भारी-भरकम कर्ज का हवाला देते हुए प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार से सीधे धान और गेहूं खरीदने की अपील की है। इसके लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी को पत्र लिखा है। मप्र में धान-गेहूं खरीदी की विकेंद्रीकृत व्यवस्था है यानी प्रदेश सरकार किसानों से ये अनाज खरीदती है और केंद्र सरकार का भारतीय खाद्य निगम प्रदेश सरकार से अनाज लेता है।यदि केंद्र सरकार इस प्रस्ताव को मान लेती है, तो ये व्यवस्था खत्म होगी और नागरिक आपूर्ति निगम की कोई भूमिका नहीं होगी। अगले सत्र से गेहूं-धान की खरीदी सीधे भारतीय खाद्य निगम ही करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 1 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी को एक पत्र लिखकर कहा है कि गेहूं और धान की खरीदी की व्यवस्था केंद्रीकृत तरीके से की जाए। पत्र में लिखा है कि प्रदेश में उपार्जन पिछले सालों में बढ़कर गेहूं में 77.74 लाख मीट्रिक टन एवं धान में 43.49 लाख मीट्रिक टन हो गया है। स्टॉक के निराकरण में बहुत ज्यादा समय लग रहा है, साथ ही राज्य सरकार की जो लागत आती है उसका समय पर भुगतान न होने से राज्य सरकार को विकेंद्रीकृत उपार्जन योजना संचालन में काफी वित्तीय हानियां हो रही हैं। यह उल्लेखनीय है कि उक्त उपार्जन योजना में बैंकों से ली गई उधार राशि 72,177 करोड़ है।

क्रेन की मांग को लेकर कलेक्टर हुए नाराज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ◐ यातायात समिति की बैठक में निगम व यातायात विभाग द्वारा क्रेन बढ़ाने की मांग की गई, जिस पर कलेक्टर ने नाराज होते हुए कहा कि कलेक्ट्रेट से हरसिद्धि मंदिर तक रोज शाम को जाम और सडक़ो पर गाडिय़ा खड़ी दिखती हैं। मैंने तो आजतक कहीं चलते नहीं देखी क्रेन, क्या पता कैसे चलती है। सिर्फ दो पहिया वाहनों को उठाया जा रहा है। चार पहिया वालों की मनमानी चल रही है। एमजी रोड, आनंद बाजार जैसे इलाको में भी वाहन सडक़ों पर पार्क हो रहे हैं। हालांकि कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी पार्किंग में अधिक से अधिक वाहनों को डाइवर्ट करें। शहर में किस चौराहे ऐसे जहां पर फुटपाथ पर अतिक्रमण हैं और चार पहिया वाहनों के कारण स्थिति और खतरनाक हो जाती है। इनमें चोइथराम,चंदन नगर, गंगवाल, राऊ रोड, मरीमाता

चौराहा से लवकुश चौराहा, टाटा स्टील, बड़ा गणपति से राजवाड़ा, वायरलेस से एरोड्रम थाने तक, 60 फीट रोड, लक्ष्मी मंदिर से यशवंत चौक तक, शीतला माता मंदिर से खजूरी बाजार, भंवरकुआं से टावर चौराहा, बंगाली चौराहे से कनाडिय़ा रोड, पत्रकार रोड चौराहे तक, मृगनयनी चौराहा, रानीपुरा उतार, संजय सेतु से नंदलालपुरा, जवाहर मार्ग, मधुमिलन से सरवटे बस स्टैंड, छावनी, रोबोट चौराहा, 140 से अग्रवाल स्कूल तक के चौराहे शामिल हैं।

इंदौर में एसआईआर के लिए कांग्रेस का हेल्पलाइन नंबर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ◐ भारत निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में एसआईआर के लिए अभियान 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलाया जाएगा। बीजेपी इसे घुसपैठियों को बाहर करने की प्रक्रिया बता रही है। कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। इस मुद्दे पर इंदौर कांग्रेस ने रविवार को बैठक आयोजित की। बैठक में बताया गया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के विचारों के तहत मतदाता के हितों की सुरक्षा की जाएगी। इस बैठक में 'जेन-जीजनरेशन को कांग्रेस विचारधारा से जोड़ने' पर चर्चा की गई। इसके साथ ही 'एसआईआर संवाद-वोट संरक्षण योजना' पर भी बात की गई। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने जानकारी दी। बैठक में ओबीसी, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के वोटों पर चर्चा हुई। बीजेपी द्वारा एसआईआर के माध्यम से वोट विलोपित करने का षड्यंत्र बताया गया। इस षड्यंत्र का मुकाबला करने की रणनीति तय की गई।

इंदौर शहर एवं जिले के लिए एसआईआर हेल्पलाइन नम्बर 9098000004 रहेगा। यह 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक सक्रिय रहेगा। मतदाता किसी भी समस्या पर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकेंगे। ऑनलाइन एप के माध्यम से भी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। चुनाव आयोग में आपत्तियाँ दर्ज कराने में नि:शुल्क सहायता दी जाएगी। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार संबंधित बीएलओ को तीन बार आपके घर पर संपर्क करने के लिए पहुंचना जरूरी हैं। अगर फिर भी संपर्क नहीं होता हैं या पक्षपातपूर्ण व्यवहार बीएलओ करता है, तो मतदाता तत्काल कांग्रेस की एसआईआर हेल्पलाइन पर सूचना दें। बीएलओ को दिए गए सभी दस्तावेज, फॉर्म एवं वार्ता का वीडियो/फोटो बनाकर साक्ष्य सुरक्षित रखें। इंदौर शहर/जिले में एसआईआर से संबंधित कानूनी जानकारी एंव कानूनी समाधान के लिए एडवोकेट टीम द्वारा कानूनी परामर्श एवं आपत्ति लगाने में सलाह नि:शुल्क प्रदान की जाएगी। यदि मतदाता अपने बीएलओ का संपर्क नम्बर नहीं जानते, तो एसआईआर हेल्पलाइन द्वारा बीएलओ का संपर्क मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाए कि पूर्व में भी एसआईआर प्रक्रिया कराई गई है। परंतु तब यह केवल मतदाता सूची के शुद्धिकरण तक सीमित थी। अब बीजेपी ने इसे विपक्ष के हार्डकोर वोटरों को सूची से हटाने के राजनीतिक हथियार के रूप में प्रयोग किया है।

पचमढ़ी में जिलाध्यक्षों के बीच जमीन पर बैठे नजर आए पटवारी

प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जिला अध्यक्षों के साथ जमीन पर बैठे नजर आए । प्रशिक्षण शिविर में मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन सुखदेव पांसे समेत सभी जिला अध्यक्ष शामिल हुए। कांग्रेस के आवासीय प्रशिक्षण शिविर में सभी जिला अध्यक्ष 10 दिन तक पचमढ़ी में रहेंगे। रोजाना प्रशिक्षण शिविर की शरुआत योग और व्यायाम से होगी। इसके बाद पूरे दिन अलग-अलग विषयों के सत्र होंगे। ओपन सेशन भी होगा, जिसमें जिला अध्यक्ष वरिष्ठ नेताओं से सवाल कर सकेंगे।

मप्र कांगेस का फोकस वर्ष 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव पर है। पार्टी ने अभी से इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं । पचमढ़ी में रविवार से कांग्रेस के जिला अध्यक्षों का संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर शुरू हो गया। प्रशिक्षण शिविर 12 नवंबर तक चलेगा। शिविर के दौरान जिला अध्यक्षों को आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रीति-नीति, विचारधारा और संगठनात्मक ढांचे आदि के संबंध में प्रशिक्षण दिया

जाएगा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रशिक्षण प्रभारी एवं कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य सचिन राव ने शिविर के प्रथम दिन की कार्यशाला का शुभारंभ किया

जिसमें संगठनात्मक ढांचे, पार्टी की विचारधारा, कार्यप्रणाली एवं आगामी रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने जिला अध्यक्षों से कहा कि जब तक संगठन का जमीन पर मजबूती से गठन नहीं होगा, तब तक चुनाव में सफलता नहीं मिलेगी । शिविर में आने वाले दिनों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत अन्य केंद्रीय नेता शामिल होंगे।

न्यूज ब्रीफ

श्री महावीर जी रेलवे स्टेशन पर भगवान महावीर की प्रतिमा स्थापित हुईं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत सरकार और रेल मंत्रालय की अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत श्री महावीर जी रेलवे स्टेशन प्रांगण में बन रहे गोल सर्कल के अंदर बंसी पहाड़ पुर के पत्थरों से बन रही है कलात्मक छतरी के अंदर कमल आसन पर ब्रोंज मैटल की बनी साढे तीन फीट ऊंची भगवान महावीर स्वामी की मनोहारी प्रतिमा को सस्मान विराजमान किया गया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र महावीर के संयुक्त सचिव पीके जैन, नेम पाटनी, जनसंपर्क अधिकारी एवं जैन विद्वान पंडित मुकेश शास्त्री सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष बच्चे उपस्थित रहे।

एक दिवसीय युवा संगम कार्यकम 3 नवम्बर को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य शासन की मंशा अनुसार जिले के बेरोजगार आवेदकों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए लगातार रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। युवा संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह मेले आयोजित हो रहे हैं। इसी के तहत एक संयुक्त रोजगार मेला (युवा संगम) जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में 03 नवम्बर 2025 सोमवार को प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय (जिला उद्योग केन्द्र परिसर) इन्दौर में आयोजित किया जा रहा है। उक्त रोजगार मेले में आवेदकों को कॅरियर बनाने का सुनहरे अवसर के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये लोन की प्रक्रिया बाबत मार्गदर्शन भी दिया जायेगा।

सीएम ने इंदौर की एक और विधानसभा को बताया अयोध्या

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर की कौन सी विधानसभा अयोध्या के नाम से जानी जाती है? इसका राजनीतिक जवाब सीधे तौर पर है इंदौर विधानसभा चार। वहीं अब अयोध्या का तमगा दूसरी विधानसभा की ओर जा रहा है। यह विधायक मालिनी गौड़ के लिए झटका है। यह तमगा किसी और ने नहीं बल्कि खुद सीएम डॉ. मोहन यादव ने दिया है। सीएम मोहन यादव ने 27 अक्टूबर को इंदौर में विविध विधानसभाओं में हुए सामाजिक समरसता कार्यक्रम में शिरकत की। इसी दौरान वह ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में विधानसभा दो के विधायक रमेश मेंदोला द्वारा हुए आयोजन में भी गए। यहां उन्होंने कहा कि कहीं जीते ना जीतें लेकिन अयोध्या का रिकॉर्ड बढ़ता ही जाता है। जोरदार अभिनंदन करें, यह हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत है, हमारी विचारधारा की पुष्टि है। इंदौर जो करता है वह सबसे अच्छा करता है। सामाजिक समरसता कार्यक्रम के लिए विधायक रमेश मेंदोला और पूरे मंच को बधाई देता हूं।

इंदौर विधानसभा चार को अयोध्या का तमगा उस समय मिला जब अयोध्या में राम मंदिर को लेकर पूरा जोर था और बाबरी कांड हुआ था। विधानसभा में बाम्बे बाजार व अन्य क्षेत्र के चलते तनाव का माहौल रहता था। इसी दौरान हिंदुत्व की राजनीति में लक्ष्मण सिंह गौड़ उभरे और साफ कहा कि बाम्बे बाजार व इनके क्षेत्र के वोट नहीं चाहिए। उनकी राजनीति के चलते ही 1993 में उन्हें टिकट मिला और भारी वोट से इंदौर चार में बीजेपी जीती। इसी के बाद इंदौर चार को बीजेपी की अयोध्या कहा जाने लगा।

इंदौर विधानसभा दो और चार अब बीजेपी (इंदौर बीजेपी) के गढ़ बन चुकी हैं। इन दोनों ही विधानसभा से बीजेपी को जीत दिलाने की नींव मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने रखी थी। साल 1990 में उन्होंने पहला विधानसभा चुनाव विधानसभा चार से लड़ा था और तब उन्होंने कांग्रेस के इकबाल खान को 25,602 के भारी वोट अंतर से हराया था। इसके बाद यहां लक्ष्मण सिंह गौड़ को 1993 में टिकट मिला और वह 1993, 1998, 2003 में लगातार जीते। उनके निधन के बाद उनकी पत्नी मालिनी गौड़ ने 2008, 2013, 2018 और 2023 में जीत हासिल की। गौड़ परिवार यहां पर

32 साल से विधायक है। वहीं बीजेपी 35 साल से सत्ता में है। उधर इंदौर विधानसभा चार में पहली जीत हासिल करने वाले विजयवर्गीय को बीजेपी ने 1993 में विधानसभा दो से टिकट दिया था और वह वहां पर कांग्रेस के कृपाशंकर शुक्ला को 21 हजार वोट से हराकर विधायक बने थे।

इसके बाद वह 1998, 2003 में भी जीते और हैट्रिक बनाई। इसके बाद 2008, 2013, 2018, 2023 में लगातार जीते और उन्होंने सबसे ज्यादा वोट से जीत के पूरे प्रदेश में रिकॉर्ड बनाए। इंदौर दो और चार की सबसे बड़ी जीत इंदौर विधानसभा दो में सबसे बड़ी वोट जीत साल 2023 में ही रही जब विधायक रमेश मेंदोला ने कांग्रेस के चिंटू चौकसे को 1 लाख 7 हजार वोट से हराया। वहीं इंदौर चार की सबसे बड़ी जीत भी 2023 में ही रही जब विधायक मालिनी गौड़ ने कांग्रेस के राजा मंधवानी को 69,837 वोट से हराया। (साल 2008 में कैलाश विजयवर्गीय ने मेंदोला के लिए सीट छोड़ी और महू से चुनाव लड़ा। वह महू से 2008, 2013 में जीते, फिर 2018 में टिकट उनके पुत्र आकाश को मिला और वह इंदौर विधानसभा तीन से जीते। साल 2023 में आकाश का टिकट कटा और बीजेपी ने फिर कैलाश विजयवर्गीय को टिकट दिया।

विधानसभा चार में इस तरह बीजेपी सत्ता में

1990 में कैलाश विजयवर्गीय ने इकबाल खान को 25,602 वोट से हराया
1993 में लक्ष्मण सिंह गौड़ ने उजागर सिंह को 28,109 वोट से हराया
1998 में लक्ष्मण सिंह गौड़ ने गोविंद मंधानी को 15,977 वोट से हराया
2003 में लक्ष्मण सिंह गौड़ ने ललित जैन को 45,625 वोट से हराया
2008 में मालिनी गौड़ ने गोविंद मंधानी को 28 हजार वोट से हराया
2013 में मालिनी गौड़ ने सुरेश मिंडा को 33,823 वोट से हराया
2018 में मालिनी गौड़ ने सुरजीत सिंह को 43 हजार वोट से हराया
2023 में मालिनी गौड़ ने राजा मंधवानी को 69,837 वोट से हराया

इंदौर विधानसभा दो में बीजेपी के जीत के रिकॉर्ड
1993 में कैलाश विजयवर्गीय ने कृपाशंकर शुक्ला को 21 हजार वोट से हराया
1998 में कैलाश विजयवर्गीय ने डॉ. रेखा गांधी को 20,273 वोट से हराया
2003 में कैलाश विजयवर्गीय ने अजय राठौर को 35,911 वोट से हराया
2008 में रमेश मेंदोला ने सुरेश सेठ को 39,937 वोट से हराया
2013 में रमेश मेंदोला ने छोटू शुक्ला को 91 हजार वोट से हराया
2018 में रमेश मेंदोला ने मोहन सेंगर को 71 हजार वोट से हराया

देर रात नाबालिग की हत्या के बाद बड़ा बवाल, दो पक्ष आपस में भिड़े

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देवउठनी ग्यारस की रात इंदौर में खूनी संघर्ष में बदल गई। शनिवार (1 नवंबर) देर रात एमआर-9 स्थित मदरहुड हॉस्पिटल के पास दो गुटों में विवाद के दौरान 17 वर्षीय अमन कुशवाह की चाकू से हत्या कर दी गई। हत्या के बाद अमन के साथी परिजनों सहित करीब 25 युवक गाड़ियों में सवार होकर घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं, इलाके में जमकर हंगामा किया। उन्होंने राहगीरों पर पथराव किया और कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की। इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

रात करीब 12 बजे युवकों के दो समूहों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। पहले हाथापाई हुई, फिर दोनों पक्षों ने हथियार निकाल लिए। इस दौरान एक गुट के युवक ने अमन पर चाकू से हमला कर दिया और फरार हो गया। घायल अमन को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर फैलते ही मृतक के साथी गुस्से में आ गए। करीब 25 से अधिक युवक गाड़ियों में सवार होकर मौके पर पहुंचे। आसपास के इलाकों (संजय गांधी नगर, एलआईजी कॉलोनी) में जमकर पथराव किया। कई गाड़ियों के शीशे तोड़े गए और राहगीरों पर भी पत्थर फेंके गए। ऐसे में घबराए लोग घरों में छिप गए और पुलिस को सूचना दी।

इंदौर के एमआर-9 क्षेत्र में देवउठनी ग्यारस क रात दो गुटों के बीच झगड़े में 17 वर्षीय अमन कुशवाह की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद अमन के करीब 25 साथी गाड़ियों में मौके पर पहुंचे और इलाके में जमकर पथराव व तोड़फोड़ की। हिंसा के दौरान कई गाड़ियों के शीशे तोड़े गए और राहगीरों पर पत्थर फेंके गए, जिससे अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इलाके में सर्चिंग की और तीन युवकों को हिरासत में लिया। प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह आपसी रंजिश बताई गई है, बाकी आरोपियों की तलाश जारी है। सूचना मिलते ही एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह और एमआईजी थाना प्रभारी सी.बी. सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ देर बाद जब उपद्रवी दोबारा लौटे, तो पुलिस ने घेराबंदी कर तीन युवकों को पकड़ लिया। विजय नगर पुलिस टीम ने भी इलाके में सर्चिंग की। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह आपसी रंजिश सामने आई है। बाकी आरोपियों की तलाश जारी है और उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

देपालपुर में इंदौर स्वच्छता टीम का सक्रिय कार्य

रहवासियों को सिखाया गीला-सिखा कचरा अलग करने का तरीका

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

स्वच्छ भारत मिशन के तहत चल रहे 'स्वच्छ जोड़ी अभियान' के अंतर्गत नगर परिषद देपालपुर में इंदौर नगर निगम की स्वच्छता टीम द्वारा डोर-टू-डोर कलेक्शन एवं सेग्रिगेशन अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान टीम ने रहवासियों को प्रेरित किया कि वे अपने घर का गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में रखें तथा कचरा वाहन के आने पर निर्धारित बॉक्स में ही डालें।

देपालपुर नगर के लिए विधायक मनोज पटेल भी लगातार अधिकारी और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ लगातार नजर बनाए हुए हैं क्योंकि देपालपुर नगर को 100 दिन में स्वच्छता में नंबर वन बनाना है नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि महेशपुरी गोस्वामी उपाध्यक्ष गोपाल कटेसरिया भी लगातार मैदान में है और इंदौर नगर निगम की टीम के साथ कंधा मिलाकर सहयोग कर रहे हैं। पूर्व बैठक में देपालपुर के जनप्रतिनिधियों द्वारा आवेरा मवेशी का मुद्दा उठाया था जिससे स्वच्छता प्रभावित होती थी. इस पर इंदौर आयुक्त महोदय एवं अपर आयुक्त महोदय के निर्देशानुसार इसी क्रम में नगर निगम इंदौर की पशु गेंग द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए तीन दिनों में 80 से अधिक आवारा मवेशियों को पकड़कर हातोद स्थित गौशाला में भेजा गया।

इन प्रयासों से देपालपुर नगर में अब साफ-सफाई की स्थिति में स्पष्ट सुधार दिखने लगा है। नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इंदौर महापौर जी, निगम आयुक्त महोदय एवं टीम का धन्यवाद व्यक्त किया और आगे भी सहयोग का आश्वासन दिया।

रिटायर्ड जेल प्रहरी के बेटे ने किया सुसाइड, परिवार को मिला सुसाइड नोट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के छत्रीपुरा इलाके में रहने वाले एक युवक ने आत्महत्या कर ली। युवक के पिता ने आरोप लगाया है कि ऋषि नगर स्थित उनके प्लॉट पर भूमाफिया ने कब्जा कर उसे बेच दिया था। इस मामले में द्वारकापुरी थाने में शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई।

बताया गया है कि युवक इस पूरे मामले को लेकर डिप्रेशन में था और उसकी नौकरी भी नहीं चल रही थी। इसी मानसिक तनाव के चलते उसने अपनी जान दे दी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया है। छत्रीपुरा क्षेत्र के एमओजी लाइन में रहने वाले रिटायर्ड जेल प्रहरी कमलेश दुबे के बेटे अंकित दुबे (34) ने जहर खाकर आत्महत्या की। उसने एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उसने स्वेच्छा से जान देने और खुद को ही जिम्मेदार बताया है। साथ ही परिवार को परेशान न करने की बात लिखी है। कमलेश दुबे ने बताया कि रविवार रात अंकित अपने एक दोस्त को अस्पताल देखने गया था। रात करीब 11 बजे वह घर लौटा। देर रात करीब 3 बजे जब उनकी नींद खुली, तो उन्होंने देखा कि अंकित अपने कमरे में बिस्तर के नीचे पड़ा था। उन्होंने तुरंत सीपीआर देकर उसे होश में लाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद बड़े बेटे के साथ मिलकर वे अंकित को एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कमलेश दुबे ने बताया कि उन्होंने अपनी जीवनभर की कमाई से बेटे अंकित के भविष्य के लिए ऋषि पैलेस क्षेत्र में एक प्लॉट खरीदा था। करीब एक साल पहले भूमाफिया प्रेम प्रजापत ने उस पर कब्जा कर लिया। जब उन्होंने विरोध किया तो प्रेम ने अंकित और परिवार के साथ मारपीट की। इस संबंध में द्वारकापुरी थाने में केस दर्ज कराया गया था। आरोपी को जेल भी भेजा गया, लेकिन जमानत पर छूटने के बाद उसने फिर से धमकियां दीं। कमलेश दुबे के अनुसार, इन घटनाओं से अंकित काफी टूट गया था। वह अक्सर कहता था कि अब उसके पास कुछ नहीं बचा। उसकी निजी कंपनी की नौकरी भी ठीक से नहीं चल रही थी। कई बार वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

22 फीट वाला पुल अब होगा 100 फीट चौड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पलासिया से इंडस्ट्री हाउस को जोडने् वाला वर्षों पुराना पुल निगम चौड़ा करने जा रहा है और पहले पुल को 60 फीट चौड़ा किए जाने की तैयारी थी, लेकिन अब निगम ने प्लान बदल दिया है और मास्टर प्लान की सडक़ों के मान से उसे 100 फीट चौड़ा किया जाएगा, ताकि भविष्य में फिर दिक्कत ना हो।

नगर निगम ने सबसे पहले अपने एक्सपर्टों के अलावा एसजीएसआईटीएस की टीम से पुल का सर्वे कराया था, ताकि यह पता लग सके कि पुल की स्थिति कैसी है। रिपोर्ट में पुल को बेहतर बताया गया और इसी के चलते निगम द्वारा वहां पुल के आसपास के हिस्सों में स्लैब बिछाकर उसे 60 फीट चौड़ा किए जाने की तैयारी थी। वर्तमान में पुल 20 से 22 फीट चौड़ा ही है, जिसके कारण आए दिन वहां पुल पर यातायात जाम की नौबत बनती है। इस मामले में महापौर पुष्यमित्र भार्गव और जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने जब अधिकारियों से कई मुद्दों पर बातचीत की तो पता चला कि आसपास के हिस्सों में वहां सारी सडक़ें 100 फीट की है और मास्टर प्लान के मान से अब पुल को 60 के बजाए 100 फीट चौड़ा करने पर सहमति हो गई है।

अधिकारियों के मुताबिक 4 करोड़ की लागत से पुल का निर्माण होना है, लेकिन अब आसपास के हिस्सों में 40-40 फीट के हिस्से स्लैब डालकर बिछाए जाएंगे और इसमें अतिरिक्त खर्च राशि का निगम विभिन्न मदों से भुगतान करेगा। 100 फीट पुल चौड़ा होने से भविष्य में वहां किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आएगी अन्यथा 60 फीट के मान से बाद में फिर वहां पुल में कई बदलाव करना पड़ते। चूंकि पलासिया से इंडस्ट्री हाउस का यह पुल एबी रोड को जोडने् वाला मुख्य पुल है और इस पर वाहनों का दिनभर काफी दबाव रहता है। वर्तमान में वहां कार्य चलने के दौरान यातायात भी बाधित नहीं होगा और आसपास के हिस्सों में पिलर बनाकर स्लैब बिछाई जाएगी और साथ ही पुल के हिस्सों को संवारा भी जाएगा।

अपने शैक्षणिक उन्नयन प्रोजेक्ट के तहत रोटरी क्लब द्वारा सवा पांच लाख रुपये की शैक्षिक पुस्तकें एवं स्कूल बेग छात्राओं को प्रदान किए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय मालव कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल मोती तबेला की कक्षा 9वी की नवप्रवेशित 250 कन्याओं को करीब सवा पांच लाख की इंग्लिश किट एवं स्कूल बैग की सौगात रोटरी क्लब ऑफ इंदौर प्रोफेशनल्स की ओर से प्रदान की गई। प्रत्येक छात्रा को लगभग 2100 मूल्य की सामग्री दी गई। यह पाकर छात्राओं पर के चेहरे खुशी से चमक उठे। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती पूजन के साथ हुआ। क्लब के सचिव सुनील अत्रि जी ने अपने उद्बोधन में बच्चों को महापुरुषों से प्रेरणा लेकर अपने कैरियर को ऊंचाई देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रोटरी 3000 बच्चों को लाभान्वित करेगा। यह किट इंफोटेक के वैभव नागोरी एवं ओसिया ग्रुप के पंकज कटारिया के सहयोग से प्राप्त हुआ। रोटरी क्लब 3040 के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अक्षत गुप्ता ने रोटरी अंतरराष्ट्रीय की शिक्षा योजना पर प्रकाश डालते हुए सरकारी स्कूल के बच्चों के उत्थान की सेवाओं को विस्तार से समझाया, बच्चों को प्रौढ़ शिक्षा के लिए जागरूक किया व उन्हें प्रेरित करने के लिए एक बच्चा एक शिक्षित बुजुर्ग का मंत्र दिया।

गोदाम में आग : जांच शुरू, पीड़ितों का अंतिम संस्कार किया गया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के आरआरकेट रोड स्थित एक केमिकल गोदाम में शनिवार शाम लगी आग में जान गंवाने वाली दो महिलाओं का रविवार को अंतिम संस्कार किया गया।

50 वर्षीय रामकली और 38 वर्षीय ज्योति, गोदाम में तेज़ी से फैल रही आग की लपटों से बच नहीं पाईं। उनके शवों को एमवाय अस्पताल के शवगृह में ले जाया गया, जहाँ रविवार को पोस्टमार्टम किया गया और फिर उनके शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। ज्योति के भाई गोलू ने बताया कि उसका छोटा बेटा त्योहार की तैयारियों के लिए उसे घर ले जाने के लिए शाम करीब 4 बजे गोदाम पहुँचा था, लेकिन ज्योति ने काम खत्म करने का फैसला किया और उसे बाद में आने के लिए कहा। उनका मानना है कि उसके इस फैसले की वजह से उसकी जान चली गई। दोनों महिलाएँ कई सालों से गोदाम में काम कर रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों ने लगभग डेढ़ साल पहले इसी परिसर में आग लगने की एक ऐसी ही घटना का भी ज़िक्र किया। अतिरिक्त डीसीपी राजेश दंडोतिया ने कहा कि मौतों का रिकॉर्ड दर्ज कर लिया गया है और यह पता लगाने के लिए जाँच शुरू हो गई है कि गोदाम उचित सुरक्षा अनुमति और अग्नि सुरक्षा मंजूरी के साथ चल रहा था या नहीं। अधिकारी इस बात की पुष्टि करेंगे कि भंडारण मानदंडों, अग्नि प्रोटोकॉल और लाइसेंसिंग शर्तों का पालन किया गया था या नहीं। पीड़ितों के परिवार रविवार सुबह एमवाय अस्पताल के बाहर इकट्ठा हुए, नुकसान का शोक मना रहे थे और इस त्रासदी का कारण बने असुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों के लिए जवाबदेही की माँग कर रहे थे।

तैरकर स्थापित की 11 केवी नई बिजली लाइन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के अंतर्गत उज्जैन जिले के जगोटी में 11 केवी की नई लाइन ग्रामीण एवं कृषि उपभोक्ताओं के लिए स्थापित करना पड़ी थी। जगोटी में राधा स्वामी सत्संग के पास दो पोल के बीच करीब सौ फीट में बारिश का पानी तलैया रूप में विद्यमान था। वहां बिजली कंपनी के इंजीनियर हेमंत चौहान ने 18 कर्मचारियों से साथ मोर्चा संभाला। करीब तीन घंटे में 11 केवी लाइन के तार स्थापित किए गए। तार को एक छोर से दूसरे छोर तक ले जाने एवं ठीक से कसने के लिए कार्मिकों को तैरना भी पड़ा। बिजली उपभोक्ता हित में चुनौतीपूर्ण कार्य करने पर कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान, मुख्य अभियंता बीएल चौहान, अधीक्षण यंत्री विनोद मालवीय, कार्यपालन यंत्री रवि पाठक ने इंजीनियरों व अन्य कर्मचारियों की प्रशंसा की है।

एमपी ई-सेवा पोर्टल से डिजिटल गवर्नेंस की नई क्रांति का हुआ आगाज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'एमपी ई-सेवा पोर्टल और मोबाइल ऐप' का शुभारंभ कर डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में नई क्रांति का आगाज किया। यह एकीकृत नागरिक सेवा मंच अब 56 विभागों की 1700 से अधिक सरकारी सेवाओं और योजनाओं को एक ही डिजिटल विंडो पर उपलब्ध करायेगा। 'एमपी ई-सेवा' के माध्यम से वर्ष 2026 तक 100% ई-सेवा डिलीवरी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रदेश को देश के डिजिटल गवर्नेंस एनेबल्ड राज्यों में अग्रणी बनाने वाले इस पोर्टल को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम के सेंटर फॉर एक्सीलेंस ने विकसित किया है। इससे नागरिकों, विभागों और सेवाओं को एक ही डिजिटल ईको-सिस्टम में जोड़कर मध्यप्रदेश ने यह सिद्ध किया है कि डिजिटल गवर्नेंस ही गुड गवर्नेंस है। एमपी ई-सेवा पोर्टल पर राज्य शासन के 56 विभागों की 1700 से अधिक नागरिक सेवाओं को एकीकृत कर दिया गया है। अब इन सेवाओं के लिए अलग वेबसाइट पर लॉगइन करने और बार-बार दस्तावेज़ जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। नागरिक eseva.mp.gov.in और मोबाइल ऐप के माध्यम से सभी सेवाओं के लिए पात्रता जांच, आवेदन, स्टेटस चैक करने के साथ ही अनुमोदन भी प्राप्त कर सकते हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 03 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मोहित जोरे को हिन्दू सेना रक्षा दल इन्दौर का अध्यक्ष बनाया गया

इंदौर ● हिन्दू सेना रक्षा दल राष्ट्रीय कार्यालय मेरठ द्वारा संस्थापक अध्यक्ष पंडित सुशील भारद्वाज जी के मार्गदर्शन में हिन्दू सेना रक्षा दल इन्दौर में मुख्य मोर्चा नगर अध्यक्ष मोहित ज़ोरे की नियुक्ति की गई है।इस अवसर पर उनके शुभ चिंतकों ने बधाई दी है। यहां जानकारी मीडिया प्रभारी सुनील कनुडे ने प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

सेवानिवृत्ति पर डॉ. अम्बेडकर की तस्वीर भेंट की

इंदौर ● इंदौर नगर निगम मे तीन दशक से अधिक कार्यरत रहकर इंदौर को स्वच्छ बनाकर नंबर वन लाने मे अपना योगदान देने वाली रामाबाई डागर की सेवानिवृत्ति पर उन्हें सामाजिक कार्यकर्ता मुरलीधर राहुल मेटांगे ने परिवारजन व मित्रो सहित डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर की तस्वीर भेंट कर बधाई दी।इस दौरान सुनील डागर, राहुल मेटांगे, प्रतिभा मेटांगे, योगेंद्र गवांदे, सुरेश गवांदे, सुरेश वानखेड़े, अर्चना मेटांगे, विनय मेटांगे, नेहा मेटांगे, पिंकेश कामले, मोनिका कामले उपस्थित थे।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हुई 'दिगंबर जैन तीर्थ निर्देशिका'

इंदौर ● दिगंबर जैन समाज के इतिहास में 2 नवंबर का दिन स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया।जैन समाज की सर्वाधिक लोकप्रिय एवं लोकोपयोगी पुस्तक 'दिगंबर जैन तीर्थ निर्देशिका' अपनी 1,00,000वीं प्रति के साथ गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल हो गई।इस ऐतिहासिक अवसर पर रवीन्द्र नाट्यगृह में भव्य विमोचन समारोह आयोजित हुआ।समारोह की अध्यक्षता श्री जंबू प्रसाद जैन (गाजियाबाद), अध्यक्ष - भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी, मुंबई ने की। विमोचनकर्ता आजाद जैन एवं श्रीमती रविदेवी जैन (बिड़ीवाला परिवार) ने किया।महेंद्रकुमार जैन एवं श्रीमती संतोष जैन ने दीप प्रज्वलन किया।ध्वजारोहण श्री आर.के.जैन रानेका ने किया।देश भर के समाजजन आयोजन में सम्मिलित हुए।'दिगंबर जैन तीर्थ निर्देशिका' में देशभर के 267 तीर्थों का संकलन है इसकी एक लाखवीं प्रति का विमोचन हुआ।

बिजली बकायादारों को सरचार्ज में मिलेगी 100% तक छूट

मुख्यमंत्री आज करेंगे समाधान योजना 2025-26 का शुभारंभ

भोपाल (एजेंसी) ● मप्र सरकार बड़े बिजली बिल बकायादारों को राहत देने के लिए समाधान योजना 2025-26 शुरू कर रही है। इस योजना में ऐसे स्थाई, अस्थाई घरेलू, गैर घरेलू, एलटी और एचटी औद्योगिक, कृषि उपभोक्ता (सरकारी कनेक्शनों को छोड़कर) को शामिल किया गया है, जिनकी बकाया राशि तीन माह या उससे अधिक अवधि की है। ऐसे बकायादार उपभोक्ताओं को सरचार्ज में 100 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 3 नवंबर को राजधानी स्थित एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी क्षेत्रीय कार्यालय में समाधान योजना का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं अपर

मुख्य सचिव नीरज मंडलोई भी उपस्थित रहेंगे। जानकारी के मुताबिक समाधान योजना दो चरणों में लागू होगी। प्रथम चरण 1 नवंबर से 31 दिसंबर, 2025 तक और द्वितीय एवं अंतिम चरण 1 जनवरी से 28 फरवरी, 2026 तक रहेगा । यह योजना एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है।

योजना की विशेषताएं

- योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है।
- समय बढ़ने के साथ छूट का प्रतिशत घटता जाएगा।
- सरचार्ज में अधिकतम छूट 1 करोड़ तक सीमित रहेगी।
- प्रथम चरण – 1 नवंबर से 31 दिसंबर, 2025 तक।
- द्वितीय एवं अंतिम चरण – 1 जनवरी से 28 फरवरी, 2026 तक

लाड़ली बहना : नवंबर में आएगी 1250 की जगह मिलेंगे 1500 रूपए

भोपाल (एजेंसी) ● प्रदेश की लाड़ली बहनों को अब तक 45 हजार करोड़ से अधिक का लाभ मिल चुका है। लाड़ली बहनों को जून 2023 से अक्टूबर 2025 तक मासिक आर्थिक सहायता राशि की कुल 29 किश्तों का अंतरण किया गया है। 1.26 करोड़ लाड़ली बहनों के लिए खुशखबरी है। नवंबर का महीना लग रहा है और अब इस महीने से लाड़ली बहना योजना की राशि में वृद्धि देखने को मिलेगी इस माह से बहनों के खाते में 1250 रुपए की जगह 1500 रूपए हर माह भेजे जाएंगे। इससे पहले 12 अक्टूबर को श्योपुर जिले से 1 करोड़ 26 लाख 86 हजार लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 29वीं किस्त के लिए 1541 करोड जारी किए गए थे। इसके अलावा 19 अक्टूबर को पीएम उज्ज्वला योजना, गैर-उज्ज्वला लाड़ली बहना एवं विशेष पिछड़ा जनजातीय समाज की 29 लाख हितग्राही बहनों को गैस रिफिल के लिए 45 करोड़ रुपये की राशि की अंतरित की गई थी। बता दे कि अब तक इस योजना के अंतर्गत 44,917.92 करोड़ रूपये की राशि सीधे बहनों के खातों में पहुंचाई जा चुकी है।

बीते दिनों भाई दूज के मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा था कि प्रदेश की बहनों के खाते में 1250 नहीं, बल्कि अब हर महीने 1500 रुपए आएंगे।नवंबर से बहनों को हर माह 1500 की राशि दी जाएगी।लाड़ली बहना योजना की शुरुआत जून 2023 में हुई थी, तब से अक्टूबर 2025 तक हमने करोड़ों रुपए की राशि बहनों के खातों में भेजी है। प्रदेश की लाड़ली बहनों को हमारी सरकार अब तक 29 किश्तों में करीब 45 हजार करोड़ रुपए की सहायता राशि दे चुकी है। राज्य सरकार ने रोजगारपरक नीति तैयार कर बहनों को उद्योग में काम करने पर 5 हजार रुपए की राशि अतिरिक्त सहायता के रूप में देने का निर्णय लिया है। अगर बहनें अपना उद्योग स्थापित करें, तो उन्हें 2 प्रतिशत की छूट अलग से दी जा रही है। बहनों के नाम पर मकान, दुकान और जमीन की रजिस्ट्री कराने पर अलग से छूट दिये जाने का प्रावधान है।

मप्र से राजस्थान जाने वाली स्लीपर बसें बंद, हर दिन 10 हजार यात्री आते- जाते है

भोपाल (एजेंसी) ● राजस्थान में प्राइवेट बस संचालक हड़ताल पर हैं, करीब 7 हजार स्लीपर बसें खड़ी हो गई हैं। जिसका असर मध्यप्रदेश में भी दिख रहा है। भोपाल-इंदौर से राजस्थान के जयपुर, बीकानेर, उदयपुर समेत अन्य शहरों के चलने वाली बसें भी बंद हैं। भोपाल के आईएसबीटी पर राजस्थान जाने वाली 20 से अधिक एसी-डीलक्स बसें चार दिनों से खड़ी हैं। तीन दिन से ऑनलाइन बुकिंग भी बंद है। जिन यात्रियों को इसकी जानकारी है उन्होंने यात्रा स्थगित कर दी है, लेकिन जिन्हें जानकारी नहीं है, वो बस स्टैंड पर परेशान हो रहे हैं। भोपाल, इंदौर उज्जैन से करीब 150 से ज्यादा बसें राजस्थान जाती हैं और इतनी ही बसें वहां से एमपी में आती है। इन बसों से रोजाना 10 हजार से ज्यादा यात्री सफर करते हैं। बस ऑपरेटर्स का कहना है कि बसें कब तक बंद रहेंगी फिलहाल ये बताया नहीं जा सकता।

बस स्टैंड पर राजस्थान जाने वाले यात्री भटक रहे

भोपाल के आईएसबीटी पर अपनी पत्नी के

साथ बीकानेर मजदूरी करने जा रहे भरतलाल की बेबसी इसका जीता-जागता उदाहरण है। उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि राजस्थान जाने वाली बसें बंद हैं। भरतलाल ने कहा, 'काम करने बीकानेर जाना था, लेकिन कोई गाड़ी ही नहीं मिल रही। किसी ने बताया तो लालघाटी गए, वहां भी बस नहीं मिली। अब यहां बस स्टैंड आए हैं, तो पता चला कि बसें तो चल ही नहीं रहीं। कुछ प्राइवेट टैक्सी वाले जोधपुर तक छोड़ने का एक व्यक्ति का 2200 रुपए मांग रहे हैं। हमारे पास इतने पैसे कहां से आएंगे? अब तो वापस घर लौटने के अलावा कोई चारा नहीं है।

बसों के पहिए थमे तो ट्रेनों में बढ़ी भीड़

सड़क मार्ग बंद होने के बाद यात्रियों का एकमात्र सहारा भारतीय रेल बची है, लेकिन यहां भी स्थिति चिंताजनक है। अचानक बढ़े दबाव के कारण ट्रेनों में पैर रखने की जगह नहीं है। भोपाल से जयपुर, बीकानेर, उदयपुर और जोधपुर जाने वाली लगभग सभी ट्रेनों में 4 और 5 नवंबर तक लंबी वेटिंग लिस्ट है। स्लीपर क्लास तो दूर, एसी कोच में भी कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। इंदौर से जोधपुर जाने वाली ट्रेन में कुछ सीटें उपलब्ध हो सकती हैं, लेकिन जयपुर रूट पर स्थिति बेहद खराब है। घर जाने की उम्मीद लगाए बैठे लोगों के लिए यह दोहरी मार है। एक तरफ बसें बंद हैं, तो दूसरी तरफ ट्रेनों में जगह नहीं है।

एक दिव्य विदाई : जब प्रकृति ने भेजा अपना श्वेत दूत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कभी-कभी ईश्वर अपनी उपस्थिति का संकेत कुछ यूँ देता है कि शब्द भी भावों के आगे नतमस्तक हो जाते हैं। रविवार को मेघदूत मुक्तिधाम पर अंगदानी एडवोकेट श्रीमती अभिजिता राठौर के अंतिम संस्कार के समय ऐसा ही एक अलौकिक दृश्य देखने को मिला—एक ऐसा क्षण, जिसने हर उपस्थित जन की आँखें नम कर दीं और मन श्रद्धा से भर उठा। जैसे ही अभिजिता की अंतिम यात्रा मुक्तिधाम पहुँची, वातावरण में एक अनोखी गंभीरता छा गई। सैकड़ों लोग मौन भाव से खड़े थे, अंगदानी आत्मा के सम्मान में पुलिस बल ने गार्ड ऑफ ऑनर की तैयारी की थी। उसी क्षण, कहीं से निर्मलता और शांति का प्रतीक एक श्वेत कपोत, उड़ता हुआ आया और धीरे से चिता स्थल पर बने शेड की सबसे ऊँची चोटी पर जा बैठा।

ना गार्ड ऑफ ऑनर की ध्वनि का भय, ना भीड़ का शोर, उस दिव्य पक्षी में जैसे किसी दैवी आदेश का संकल्प था। गार्ड ऑफ

ऑनर की फायरिंग हुई, ध्वनि आकाश को चीरती हुई गूंजी, पर वह देवदूत विचलित नहीं हुआ। उसकी स्थिरता में एक अजीब-सी गहराई थी — मानो वह कह रहा हो, 'यह आत्मा अब मुक्त है, अब उसे किसी भय की आवश्यकता नहीं। ' लोग विस्मय और भावुकता के बीच खड़े उस दृश्य को निहारते रहे। कुछ के होंठों पर मौन प्रार्थना थी, कुछ की आँखों से आँसू बह निकले। ऐसा लगा जैसे स्वयं प्रकृति ने शोक संवेदना व्यक्त करने हेतु अपना 'श्वेत दूत' भेजा हो — एक संदेशवाहक, जो यह बताने आया हो कि सच्चे कर्म और निर्मल आत्मा कभी नहीं मिटते।

हुतात्मा दिवस के उपलक्ष्य में बजरंग दल ने किया रक्तदान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रचार प्रमुख अन्नु गेहलोत ने बताया प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद - बजरंग दल इन्दौर विभाग के द्वारा हुतात्मा दिवस के अवसर पर विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सर्वविदित है कि अयोध्या श्री राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के दौरान लाखों हिंदू युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर धर्म एवं राष्ट्र की रक्षा के लिए बलिदान दिया था। इन्हीं वीर हुतात्माओं में से कोठारी बंधु (दो सगे भाई) का बलिदान अद्वितीय उदाहरण है। इन्हीं वीर हुतात्माओं की स्मृति में देशभर के बजरंग दल कार्यकर्ता प्रतिवर्ष रक्तदान कर उनके त्याग और बलिदान को नमन करते हैं तथा 'रक्तदान ही जीवनदान है' के संदेश के साथ मानव सेवा के संकल्प को दोहराते हैं। इसी क्रम में आज इंदौर विभाग के विभिन्न जिलों में बजरंग दल द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें अनेक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से बजरंग दल मालवा प्रान्त सहं संयोजक यश जी बच्चाणी, विभाग मंत्री यज्ञेश जी राठी, विभाग संयोजक प्रवीण दरेकर विभाग सहं संयोजक अविनाश कौशल जिला संयोजक लक्की रधुवंशी विजय कालखोर पप्पी ठाकुर दिनेश गुजर अनिल पाटिल सागर सोनी अभिषेक कुशहवा।

महाप्रचंड हनुमान मंदिर पर दो दिनी अन्नकूट महोत्सव आज से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● माली मोहल्ला, एमओजी लाइन्स स्थित श्री महाप्रचंड हनुमान मंदिर पर संत श्लादुनाथजी महाराज गुरु आश्रम न्यास समिति (ट्रस्ट) के तत्वावधान में मालवा, निमाड़ एवं मेवाड़ के तपोनिष्ठ संत ब्रह्मलीन सद्गुरु लादुनाथ महाराज की प्रेरणा से महादेवजी का स्थापना दिवस एवं दो दिवसीय 26वां चातुर्मास समापन उत्सव 3 एवं 4 नवंबर को आयोजित होगा। आश्रम के महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में पुजारी योगेश एवं सचिन सुईवाल ने बताया कि 3 नवंबर सोमवार को त्रयोदशी पर सुबह 7 बजे महामृत्युंजय अनुष्ठान की पूर्णाहुति तथा प्रातः 9 बजे से अखंड रामायणपाठ का शुभारंभ होगा। मंगलवार 4 नवंबर को बैकुंठ चतुर्दशी पर सुबह 9 बजे हवन-पूजन के साथ अखंड रामायणपाठ का समापन तथा शाम 5 बजे से महाप्रसादी का क्रम शुरू हो जाएगा। इस अवसर पर मालवा, निमाड़ एवं मेवाड़ क्षेत्र के संत महंत एवं श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। भक्त मंडल के दामोदर सुईवाल, रामचंद्र मंडावरा, रामलाल सवारवाल, बाबूलाल जैन, रोहित सियोटा एवं सत्यनारायण जाट को विभिन्न व्यवस्थाओं का जिम्मा सौंपा गया है।

अभिजीता राठौर हुई अमर, अंगदान कर पेश की मिसाल, बना 65वां ग्रीन कॉरिडोर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर ने रविवार को एक और मानवीय मिसाल देखी, जब हाईकोर्ट एडवोकेट अभिजीता राठौर (38 वर्ष) के अंगदान के लिए 65वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। अभिजीता के लिवर और दोनों किडनियों को इंदौर के अलग-अलग अस्पतालों तक पहुँचाने के लिए प्रशासन, पुलिस और अस्पतालों के बीच तेज़ और सटीक समन्वय हुआ। यह कदम न केवल तीन लोगों को नई ज़िंदगी देने वाला साबित हुआ, बल्कि इंदौर की मानवता और संवेदना की भावना को भी जीवंत कर गया।

मुस्कान ग्रुप पारमार्थिक ट्रस्ट से जुड़े सेवादार जीतू बगानी और संदीपन आर्य ने बताया कि अभिजीता का लिवर सीएचएल हॉस्पिटल, एक किडनी जुपिटर हॉस्पिटल और दूसरी किडनी चोइथराम हॉस्पिटल में ट्रांसप्लांट के लिए भेजी गई। तीनों अस्पतालों में अंगों को समय पर पहुँचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया गया, जिसमें पुलिस ने मिनटों में रास्ता खाली करवाया। शेष अंगों की एलोकेशन प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है, ताकि ज़रूरतमंद मरीजों को जल्द से जल्द जीवनदान मिल सके। अभिजीता को कुछ समय पहले लंग्स इंफेक्शन हुआ था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान ब्रेन में खून का थक्का जम जाने के कारण उनकी स्थिति गंभीर हो गई और शनिवार को डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

हाउसिंग बोर्ड में दर्जनों जूनियर इंजीनियर बने कार्य पालन यंत्री

भोपाल (एजेंसी) ● मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधो संरचना विकास मंडल भोपाल मुख्यालय ही नहीं प्रक्षेत्र यानि उपायुक्त कार्यालयों में भी जमकर भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है एक तरह से कहा जाए तो मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधो संरचना विकास मंडल भ्रष्टाचार का नरक कुंड बन चुका है जिसमें बोर्ड की मुख्य प्रशासकीय अधिकारी तृप्ती श्रीवास्तव और उनकी टीम जमकर गोते लगा रही है.मंडल के नियमानुसार कार्यपालन यंत्री एवं सहायक यंत्री के पद क्लास 2 स्तर के हैं इनकी पदस्थापना या ट्रांसफर आयुक्त की अनुशंसा के बिना नहीं किए जा सकते हैं परन्तु वर्तमान में मण्डल की मुख्य प्रशासकीय अधिकारी तृप्ती श्रीवास्तव के आशीर्वाद से उपायुक्त ही क्लास 2 स्तर के जूनियर उप यंत्रियों को कार्यपालन यंत्री के करेंट चार्ज दिए जा रहे हैं यह अवैध तरीका है. सभी उपायुक्त इस तरह का घटिया कृत्य कर जूनियर उप यंत्रियों को देरहे हैं करेंट प्रभारों की उच्च स्तरीय जांच जरूरी है.ताकि इनके भ्रष्टाचार की पोल खुल सके. मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधो संरचना विकास मंडल के आयुक्त राहुल हरीदास फंटिंग और मुख्य प्रशासकीय अधिकारी सभी डिप्टी हाऊसिंग बोर्ड कमिश्नरों को खुला संरक्षण दिये हुए हैँ क्योंकि जूनियर उपयंत्रियों को सहायक यंत्री और कार्यपालन यंत्रियों का प्रभार देने में मोटी कमाई होती है और इसका हिस्सा आयुक्त और मुख्य प्रशासकी अधिकारी तक पहुंचता है!

व्यापार को टेक्स फ्री ज़ोन बनाने के लिए 1718 वर्ष पहले परगने के राजा नंदलाल मंडलोई ने की थी अनेक राजाओं से संधि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●बहुत कम लोगों को पता होगा कि इंदौर के प्रथम शासक एवं संस्थापक राव राजा राव नंदलाल मंडलोई ने सबसे पहले 3 मार्च 1716 को शहर से किए जाने वाले व्यापार को सम्पूर्ण भारतवर्ष में कर मुक्त करवाया था। इसके लिए उन्हें सवाई राजा जयसिंह के साम्राज्य से संधि, मुग़ल साम्राज्य से सनत एवं बाजीराव बल्लाल से संधि करना पड़ी थी। यह राव राजा राव नंदलाल मंडलोई की ही दूरदृष्टि थी कि आज के स्मार्ट इंदौर या महानगर इंदौर की नींव 1718 वर्ष पहले रख दी गई थी। सन 1700 में ही उन्होंने इंदौर परगने की राजधानी कम्पेल से बदलकर इंदौर को बनाया था। आज जिस बड़ा रावला को हम जूनी इंदौर क्षेत्र में देख रहे हैं, उस बड़ा रावला में छत्रपति शिवाजी महाराज, स्वामी विवेकानंद, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एस राधाकृष्णन, भारत रत्न जयप्रकाश नारायण, संत मदर टेरेसा, बोहरा समाज के धर्मगुरु बुराहनुद्दीन सैयदना, भारत रत्न पं. रविशंकर, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती एवं भारत माता मंदिर हरिद्वार के संस्थापक एवं शंकराचार्य स्वामी सत्यमित्रानंद सहित देश की अनेक हस्तियाँ आ चुकी हैं।

खंडेलवाल स्मार्ट लेडीज सोशल ग्रुप का अन्नकूट महोत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खंडेलवाल स्मार्ट लेडीज सोशल ग्रुप ने अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया, श्रीनाथ जी को छप्पन भोग लगा,गोवर्धन पर्वत बनाया। अध्यक्ष सीमा खंडेलवाल, महोत्सव संयोजक पूर्व पार्षद तनुजा खंडेलवाल, सुनीता गुप्ता, सविता खंडेलवाल ने बताया कि ग्रुप द्वारा अन्नकूट महोत्सव में श्रीनाथजी को छप्पन भोग लगाया, वेद मंत्रों के बीच पूजन अर्चन किया, महाआरती हुई,जयकारे गूंजे। आयोजन में गोवर्धन पर्वत भी महिलाओं ने गोबर से बनाया। भजनों पर महिलाएं झूमीं। आयोजन में महिलाओं ने स्वदेशी अपनाने का संकल्प भी लिया, स्वदेशी सामान खरीदेंगे और विवाह समारोह में उपहार में भी स्वदेशी वस्तुओं को दिया जाएगा। इस अवसर पर सचिव अद्विता बड़गोटी,कोषाध्यक्ष नीलू राजोरिया सहित अन्य मौजूद थीं।

सम्पादकीय

धार्मिक स्थलों पर व्यापक लापरवाही से उपजी मुश्किल अब जटिल हो चुकी है

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कासीबुग्गा में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को भगदड़ मचने से कई लोगों की मौत हो गई और पच्चीस से ज्यादा लोग घायल हो गए। धार्मिक स्थलों से लेकर अन्य किसी जगह पर बड़ी संख्या में लोगों के जमावड़े में होने वाली भगदड़ की घटनाएं जिस तरह लगातार सामने आ रही हैं, उससे पता चलता है कि व्यापक लापरवाही से उपजी मुश्किल अब कितनी जटिल हो चुकी है। यह एक सख्त टिप्पणी होगी, लेकिन ऐसा लगता है कि सब कुछ जानते-बूझते हुए भी लोगों के बीच भगदड़ होने के हालात की अनदेखी की जाती है और इस तरह हादसा होने दिया जाता है! वरना क्या कारण है कि हर कुछ दिनों बाद किसी मंदिर और धार्मिक या फिर राजनीतिक जमावड़े के दौरान चारों तरफ पसरी अव्यवस्था और आयोजकों की घोर लापरवाही की वजह से लोगों के बीच भगदड़ मचती है और फिर उसमें नाहक ही लोगों की जान चली जाती है। गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कासीबुग्गा में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को भगदड़ मचने से कई लोगों की मौत हो गई और पच्चीस से ज्यादा लोग घायल हो गए। एकादशी के दिन की पूजा होने की वजह से श्रद्धालुओं की संख्या आम दिनों के मुकाबले काफी ज्यादा थी। पहली मंजिल पर स्थित मंदिर में जाने-आने का रास्ता एक ही है, जिस पर धक्का-मुक्की की वजह से पहले रेलिंग टूट गई, फिर भगदड़ मच गई। यानी एक तरह से हादसा होने के हालात पहले ही बन गए थे, मगर मंदिर प्रबंधकों और प्रशासन को उसे संभालने की जरूरत महसूस नहीं हुई। सवाल है कि इस हद तक लापरवाही बरतने वालों को इस हादसे के लिए कठघरे में खड़ा क्यों नहीं किया जाना चाहिए। एक रस्म की तरह सरकार ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं, लेकिन अब यह भरोसा करना मुश्किल होता जा रहा है कि सरकारें किसी हादसे से सबक लेकर हर धार्मिक स्थल, राजनीतिक या अन्य किसी आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों का जमावड़ा होने की स्थिति में कुछ नियम-कायदों का पालन सुनिश्चित कराएगी। इसी वर्ष जनवरी में तिरुपति मंदिर में हुए हादसे के बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने कुछ उपायों पर चर्चा की थी, लेकिन वे कभी लागू नहीं हुए। क्या सरकारों और प्रशासन के सामने यह चिंता कोई मायने रखती भी है कि धार्मिक या राजनीतिक कारणों से एक जगह बड़ी संख्या में जमा होने वाले लोगों की सुरक्षा का दायित्व उन पर भी है?

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दादागिरी के बीच भारत का चीन को एक्सपोर्ट 22% बढ़ा

कभी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना मित्र बताने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रुख अब बदला-सा लगता है। यूं तो अमेरिका खुद को दुनिया का चौधरी मानता है। बात-बात पर सबको टैरिफ की धमकी देता है, मगर भारत भी पहले वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है। चुपचाप रहता नहीं, जब कोई देश आंख उठाता है तो उसका मुंहतोड़ जवाब देता है।

ट्रंप की टैरिफ धमकी पर भारत के विदेश मंत्रालय ने न केवल जवाब दिया, बल्कि अमेरिका और ईयू का धागा खोल दिया और कहा कि खुद करो तो ठीक, दूसरा करे तो गलत? अमेरिका के डबल स्टैंडर्ड पर विदेश मंत्रालय ने साफ लहजे में कहा कि वो देश हमें क्या नसीहत देंगे, जो खुद रूस से अरबों डॉलर का कारोबार कर रहे हैं। मंत्रालय ने साफ कहा कि भारत को निशाना बनाना अनुचित और तर्कहीन है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। इतना ही नहीं, खुद विदेश मंत्री जयशंकर ने भी अच्छे से सुना दिया और कहा कि दबदबे वाली व्यवस्था नहीं चलेगी। भारत अब किसी की दादागिरी नहीं मानने वाला। वहीं, रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि अमेरिका उभरती बहुध्रुवीय अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में अपने घटते दबदबे को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। कोई भी टैरिफ युद्ध या प्रतिबंध इसको नहीं रोक सकते।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को लगातार टैरिफ के नाम पर धमकाते रहे हैं। दूसरी ओर भारत को अपने सामने नहीं झूक रहा है, यही सब देखकर उनका हताश होना स्वाभाविक है। कहां दुनिया का सबसे अमीर और ताकतवर शख्स और कहां भारत एक विकासशील देश। ट्रंप को लगता है कि जिस भारत को अकाल पड़ने पर उनका देश सड़ा हुआ गेहूं भेजता था, आज वो देश उनकी बंदर घुड़की पर रिस्पांस भी नहीं करता है।।? यह उनकी चिढ़ ही है कि वह आए दिन बार-बार भारत को अपमानित करने वाला बयान देते रहते हैं। कभी-कभी तो एक ही दिन में 2-2 बार भारत के खिलाफ उन्हें जहर उगलते देखा गया है। अलबत्ता, वे भारत पर हाई टैरिफ थोपने का साहस नहीं कर पाते हैं, किसी न किसी बहाने विलंब पर विलंब करते रहते हैं ताकि कोई समाधान का रास्ता निकल सके। क्योंकि वो जानते हैं कि भारत को नाराज करके अमेरिका का काम नहीं चलने वाला है।

हम देख रहे हैं कि ट्रंप कभी भारत की इकॉनमी को डेड बोल देते हैं, तो कभी पाकिस्तान के साथ तेल की डील की बात करके भारत को अपमानित करने की कोशिश करते हैं। एक तरफ भारत की अर्थव्यवस्था मृतप्राय हो चुकी है तो दूसरी तरफ उसी भारत से ट्रेड करने के लिए मरे जा रहे हैं? मतलब कुछ भी बोल रहे हैं। पाकिस्तान के पास तेल है ही नहीं और समझौता करने जा रहे हैं। दरअसल असली कारण यह है कि ट्रंप भारत के सामने झुकना नहीं चाहते हैं। घोर सामंती व्यवहार वाले ट्रंप जानते हैं कि वो यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ जिस तरह से पेश आए थे उस तरह भारत के साथ नहीं कर सकते, यही उनका दर्द है। इसलिए आजकल नींद में भी उन्हें भारत ही नजर आता है। जबकि कई अमेरिकी विशेषज्ञ यह जता चुके हैं कि ट्रंप का भारत के साथ रवैया अमेरिका के लिए बहुत नुकसानदेह साबित हो सकता है। वस्तुतः ट्रंप की चिंता भी यही है पर उन्हें कोई रास्ता नहीं दिख रहा है, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।

एक ओर जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ-टैरिफ खेल रहे हैं, तो वहीं भारत ने अपने निर्यातक देशों की लिस्ट में विविधता लाई है। इसका असर भी देखने को मिला है। अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ का बड़ा असर झींगा निर्यात से लेकर टेक्सटाइल सेक्टर तक पर देखने को मिला। लेकिन भारतीय निर्यातकों ने अमेरिकी बाजार में दबाव के बीच दूसरे देशों के बाजारों का रुख किया। रिपोर्ट के मुताबिक, US Tariff Tension के बीच India-China के व्यापार संबंध सुधरे हैं और वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में भारत का चीन को निर्यात करीब 22% बढ़ा है।

रिपोर्ट्स की मानें तो India-China Trade में सुधार के चलते अप्रैल-सितंबर 2025 में चीन को भारत का निर्यात 8.41 अरब डॉलर रहा है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर 2024 के 6.90 अरब डॉलर से 22 फीसदी के आसपास की बढ़त दर्शाता है। खास तौर पर अमेरिकी टैरिफ के असर से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले सेक्टर्स के प्रोडक्ट्स की चीन में अच्छी खासी डिमांड देखने को मिली है। इनमें झींगा और एल्युमिनियम प्रमुख हैं। इसके अलावा और भी कई क्षेत्रों ने चीन को निर्यात में तेजी दिखाई है।

बीते दिनों आईं अन्य रिपोर्ट्स पर नजर डालें, तो अमेरिका द्वारा भारत पर 50% का टैरिफ लगाने के बाद से भारतीय झींगा निर्यात पर बुरा असर देखने को मिला है। ग्लोबल डेटा के हवाले से ट्रंप के इस टैरिफ अटैक के चलते भारत से अमेरिका को एयर कार्गो निर्यात में 14 फीसदी की तगड़ी गिरावट दर्ज की गई है, तो आंध्र प्रदेश की झींगा इंडस्ट्री करीब 25,000 करोड़ रुपये के भारी नुकसान का अनुमान लगाया गया था। इनमें कहा गया था कि अमेरिका को झींगा निर्यात के 50 फीसदी ऑर्डर 50% टैरिफ के बाद से रद्द हुए।

इसके अलावा अन्य सबसे प्रभावित सेक्टर्स में एल्युमिनियन और टेक्सटाइल रहा, जिनके लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार रहा है। बीते दिनों कंफेडेरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री यानी CITI के एक सर्वे में इसके प्रभाव देखने को मिले थे। सर्वे के निष्कर्षों में सामने आया था कि निर्यात पर 50% टैरिफ के चलते कपड़ा और परिधान क्षेत्र कम ऑर्डर और कारोबार में करीब 50% की गिरावट से जूझ रहा है।

भारत में चीन के राजदूत श फीहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर (पहले X) पर एक पोस्ट के जरिए भी India-China Trade बढ़ने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में चीन को भारत का निर्यात 22% बढ़ा है। बीजिंग ज्यादा से ज्यादा भारतीय वस्तुओं का स्वागत करता है और अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने में मदद के लिए तैयार है।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टैरिफ पॉलिसी के तहत शुरुआत में भारत पर 25 फीसदी का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था। लेकिन बाद में रूसी तेल और हथियारों की खरीद को मुद्दा बनाया और भारत पर इसकी खरीद बढ़ाकर यूक्रेन युद्ध में पुतिन की मदद करने का आरोप लगाया था। इसके चलते अमेरिका की ओर से भारत पर लागू टैरिफ को दोगुना करते हुए 50% कर दिया गया था, जो 27 अगस्त से लागू है।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

टॉय ट्रेन से शहर में भ्रमण कर स्कूल पहुंची बच्चों को ट्रेन के सफर की मिलेगी जानकारी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगौन • रेल सुविधा से वंचित खरगोन शहर की सड़कों पर एक टॉय ट्रेन चर्चा का विषय बनी हुई है। यह ट्रेन शहरी क्षेत्र में भ्रमण करते हुए खंडवा रोड स्थित आदित्य विद्या विहार स्कूल पहुंची। स्कूल के डायरेक्टर अनिल रघुवंशी ने बताया कि प्ले ग्रुप से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों को ट्रेन के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से यह टॉय ट्रेन मंगवाई गई है। टॉय ट्रेन ने किला गेट, कोतवाली थाना क्षेत्र, डायवर्सन रोड, सनावद रोड और खंडवा रोड क्षेत्रों में भ्रमण किया। इस दौरान कई लोग इसे देखने के लिए रुक गए, जिससे सड़कों पर कौतूहल का माहौल बन गया। उल्लेखनीय है कि आदिवासी बहुल खरगोन जिले को आजादी के बाद से अब तक रेल सुविधा नहीं मिल पाई है। इसी कमी को देखते हुए स्कूल प्रबंधन ने बच्चों को ट्रेन का अनुभव कराने का यह अनूठा प्रयास किया। जिले में रेल सुविधा के लिए वर्तमान में दो परियोजनाएं विचाराधीन हैं। इनमें पहली इंदौर-मनमाड़ रेलवे लाइन है, जिसके लिए केंद्र

सरकार भूमि अधिग्रहण कर रही है। यह लाइन खरगोन और बड़वानी जिले की अंतिम सीमा क्षेत्र से होकर गुजरेगी, हालांकि इससे खरगोन जिले के प्रमुख शहरों का सीधा जुड़ाव नहीं होगा। दूसरी परियोजना खंडवा-दाहोद रेल लाइन की है, जिसका सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना का उद्देश्य निमाड़ क्षेत्र के शहरों को रेल नेटवर्क से जोड़ना है, जिससे यात्री सुविधा, माल ढुलाई, व्यापार, पर्यटन और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में जिले को लाभ मिल सके।

अपरवेदा बांध फुल, नवंबर में खुले गेट, 317 मीटर पर 1 गेट से 35 क्यूमेक्स पानी छोड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

खरगौन • खरगोन जिले के झिरन्या क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण अपरवेदा बांध अपनी पूर्ण भराव क्षमता तक पहुँच गया।शुक्रवार देर रात 11 बजे बांध का एक गेट (0.30 मीटर) खोला गया,जिससे लगभग 35 क्यूमेक्स पानी छोड़ा गया।

कार्यपालन यंत्री एस.एस. अहिरवार ने बताया कि जलस्तर में बढ़ोतरी और सुरक्षा कारणों से यह कदम उठाया गया।जल निकासी नियंत्रित मात्रा में की गई, ताकि निचले क्षेत्र में कोई नुकसान या खतरा न हो।

रात 11 से 2 बजे तक खुला रहा गेट

उन्होंने बताया कि गेट रात 11 बजे से 2 बजे तक खुला रहा। फिलहाल बांध में रबी फसल के लिए पर्याप्त पानी सुरक्षित है। यदि

ऊपरी हिस्से से पानी की आवक बढ़ती है, तो स्थिति की निगरानी कर आगे भी सुरक्षित रूप से पानी छोड़ा जाएगा।

सीजन में पहली बार छोड़ा गया पानी

इस सीजन में पहली बार अपरवेदा डैम से पानी छोड़ा गया।इस दौरान वेदा नदी का प्रवाह कुछ समय के लिए बढ़ा,लेकिन स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों, किसानों और पशुपालकों से अपील की है कि वे नदी के पास न जाएं और बच्चों व पशुओं को भी दूर रखें। आपात स्थिति में प्रशासन से तुरंत संपर्क करने की सलाह दी गई है।

प्रदेश का नया अभ्यारण्य-ओंकारेश्वर के नाम, डूब क्षेत्र सेंचुरी से बाहर रहेगा, सीएम ने की घोषणा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को ओंकारेश्वर अभयारण्य बनाने की घोषणा की। वे भोपाल में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के मौके पर अभ्युदय कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अभयारण्य खंडवा और देवास जिले को मिलाकर बनाया जाएगा जो 611 वर्ग किलोमीटर का होगा इसके साथ ही डूब क्षेत्र को अभयारण्य से बाहर रखा गया है। वहीं, असम से जंगली भैंसा और गेंडे लाए जाने की बात भी कही। बता दें कि, मुख्यमंत्री ने इसके संकेत 30 अक्टूबर को खंडवा के

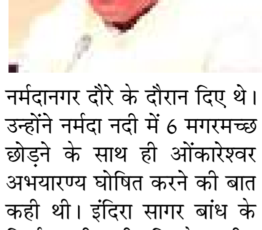

नर्मदानगर दौरे के दौरान दिए थे। उन्होंने नर्मदा नदी में 6 मगरमच्छ छोड़ने के साथ ही ओंकारेश्वर अभयारण्य घोषित करने की बात कही थी। इंदिरा सागर बांध के निर्माण की स्वीकृति के करीब 39 साल बाद ओंकारेश्वर वन्यप्राणी अभयारण्य की उम्मीद अब पूरी हो रही है। खंडवा और देवास जिले के वन क्षेत्र को मिलाकर 611 वर्ग किलोमीटर में प्रस्तावित अभयारण्य के गठन का प्रस्ताव शासन स्तर पर लंबित था। समय-समय पर आपत्तियां और केंद्र सरकार के मापदंडों की वजह से अधिसूचना टलती रही। पांच साल पहले अभयारण्य को हरी झंडी मिलना लगभग तय हो गया था, लेकिन कालीसिंध लिंक परियोजना की वजह से अधिसूचना टल गई थी। सीएम ने कहा, हमारे यहां दो ज्योतिर्लिंग हैं। सबसे ज्यादा टाइगर और लेपर्ड मध्य प्रदेश में हैं। घड़ियाल तो हम चंबल में छोड़ ही रहे हैं। दो दिन पहले मां नर्मदा में मगर छोड़कर आया हूं। हम उन सभी क्षेत्र में काम कर रहे हैं जहां से प्रदेश में समृद्धि आए। रोजगार मिले। कोई भी घोषणा करें तो वह हवा में नहीं हो, ठोस हो। सीएम ने बताया कि ग्रामीण आबादी को बचाते हुए उनकी आय बढ़ाने के साथ ही संपूर्ण डूब क्षेत्र को अभयारण्य से बाहर रखा गया है। ताकि मछली पालन से जुड़े लोग प्रभावित नहीं हों। उनकी आजीविका में कोई परेशानी नहीं आए। इस नए 27वें अभयारण्य में बाघों की उपस्थिति भी है। इसके अलावा सोन कुत्ता, भालू, सांभर, हाइना, चीतल समेत कई प्रकार से जीव यहां आपको देखने को मिलेंगे।

मंत्री का बर्थडे.. विधायक पति ने गाया गाना- विजय शाह बोले- आप सेवाभावी, और चांस मिलेगा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • कैबिनेट मंत्री विजय शाह का बर्थडे हैं, वे खंडवा में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ अपने जन्मदिन को सेलिब्रेट कर रहे हैं। इसी बीच वे विधायक के सरकारी बंगले पर पहुंचे। जहां बर्थडे सेलिब्रेशन के दौरान विधायक के पति ने मंत्री के गाना गाया- 'मेरी जिंदगी सवारी मुझको गले लगा के, बैठा दिया फलक पे, मुझे खाक से उठा के..' विधायक कंचन तनवे के पति मुकेश तनवे के गाना गाते ही मंत्री विजय शाह गदगद हो गए, उन्होंने मुकेश तनवे को गले लगाया और कहा कि आप बहुत अच्छे कार्यकर्ता हैं, आपको बहुत पहले से जानता हूं, बाद में भाभी (कंचन तनवे) से परिचय हुआ। ऐसे लोग बिरले होते हैं, समाज के लिए काम करते हैं। मंत्री ने उन्होंने कहा कि गाने की कला अच्छी हैं, ऐसी प्रैक्टिस होना चाहिए। भाभी भी अच्छा गाती है, मुझे तो यह पता चल रहा है कि दोनों में से किसने किसको सिखाया होगा। ये कला है, सरस्वती की पूजा हैं, हम तो एक लाइन नहीं गा सकते, आप तो इसे जिंदा रखिए, बड़े फायदे हैं। राजनीति में इसका काफी फायदा मिलता है। मंत्री बोले कि मैं तो कहूंगा कि समाज, धर्म के लिए भजन भी गाओ। मुकेश भाई के परिवार को मौका मिला और भाभी जिला पंचायत की सदस्य बनीं, हमने भी उन्हें अध्यक्ष बनाने में मदद की।

नर्मदा परिक्रमावासी की सड़क हादसे में मौत:मोरटक्का में आश्रम से आ रहे सेवादारों की बाइक ने टक्कर मारी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा •खंडवा के मोरटक्का में शनिवार रात नर्मदा परिक्रमा कर रहे एक श्रद्धालु की सड़क हादसे में मौत हो गई। अंधेरे में बाइक की टक्कर लगने से महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के संगमनेर निवासी अरुण मुरलीधर ताजने (59) की मौके पर ही मौत हो गई। चौकी प्रभारी लखन डावर के अनुसार हादसा बंधन गार्डन के सामने ओंकारेश्वर रोड पर हुआ। उसी समय अचानक बिजली गुल हो गई थी, जिससे दृश्यता कम हो गई।अंधेरे में बाइक सवारों को सड़क किनारे पैदल चल रहे परिक्रमावासी नहीं दिखे और उन्होंने श्रद्धालु को टक्कर मार दी। हादसे के दौरान बाइक पर तीन युवक सवार थे। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घायलों की पहचान हुमन पिता हीरालाल यादव (21), नीलम पिता रतन ठाकुर (20), योगेंद्र पिता कृष्ण कुमार (32) के रूप में हुई है।

पुलिसकर्मियों को डायल-112 पायलटों को मिला सीपीआर प्रशिक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर• पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर बुरहानपुर में शनिवार को रेणुका पुलिस लाइन में सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) का प्रशिक्षण हुआ।यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार के मार्गदर्शन में हुआ।इसमें डॉक्टरों की टीम ने डायल-112 वाहन के पायलटों और पुलिसकर्मियों को सीपीआर देने का तरीका सिखाया। सीपीआर एक जरूरी पहली मदद (प्राथमिक उपचार) की प्रक्रिया है।अगर किसी व्यक्ति की सांस या दिल की धड़कन रुक जाए, तो सीपीआर देकर उसकी जान बचाई जा सकती है।कई बार पुलिसकर्मियों ने मौके पर सीपीआर देकर लोगों की जान बचाई है। डायल-112 की टीम और पुलिसकर्मी अक्सर घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचते हैं।ऐसे में अगर वे सीपीआर देना जानते हों, तो घायल या बेहोश व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है।

एकदिवसीय के बाद टी20 में भी खामोश है शुभमन का बल्ला

मुंबई (एजेंसी) • शुभमन गिल को भविष्य में तीनों ही प्रारुपों में कप्तान बनाये जाने की अटकलें हैं। चयन समिति और कोच गौतम गंभीर भविष्य में शुभमन को ही टी20 कप्तान बनाना चाहते हैं। इसी कारण उनको टी20 की उपकप्तानी दी गयी है पर इंग्लैंड दौरे के बाद से ही जिस प्रकार से शुभमन का बल्ला सीमित ओवरों टेस्ट और टी20 में नहीं चल रहा। उससे गंभीर की चिन्ता जरुर बढ़ गयी होगी। शुभमन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के तीनों मैचों में रन नहीं बना पाये। टी20 सीरीज के भी पहले दो मैच में वह विफल रहे। एशिया कप में भी वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये। कुल मिलाकर देखा जाये तो वह पिछली 12 पारियों मे एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 सीरीज में खेले गए दो मैचों में उन्होंने 37 और 5 रन बनाए है। शुभमन ने टी20 में अंतिम बार अर्धशतक 13 जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया था। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एकदिवीसय सीरीज में भी शुभमन विफल रहे थे। तीन मैचों की सीरीज में शुभमन गिल रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करते हुए सिर्फ 43 रन ही बना सके। उनका सबसे अधिक स्कोर 24 रन था।

भारतीय हॉकी शताब्दी समारोह पर दो मैत्री मैच व वरिष्ठ खिलाड़ियों का सम्मान 7 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला व सहसचिव मो याकुब अंसारी ने दिनांक 7 नवंबर को भारतीय हॉकी को 100 वर्ष पूर्ण होने पर हॉकी इंडिया द्वार संपूर्ण भारत मे भारतीय हॉकी शताब्दी समारोह का आयोजन भव्य रूप मे किया जा रहा है। 100 वर्ष मे भारतीय हॉकी ने विश्व मे अविस्मरणीय कीर्तिमान स्थापित किया। इस अवसर पर हॉकी इंदौर एसोसिएशन द्वार 7 नवंबर स्थानीय चिमनबाग हॉकी मैदान पर सुबह 8:30 बजे से दो मैत्री मैच खेले जाएंगे पहला मैच महिला टीम का दूसरा मैच पुरुष टीम के बीच खेला जाएगा एंव शहर के वरिष्ठ खिलाडी 65 वर्षीय आयु से अधिक 11 खिलाड़ियों का भी सम्मान किया जाएगा विजयी टीम को खेल साम्रगी भी दी जाएगी।

श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट के तत्वावधान में 40 युवा हॉकी खिलाड़ी होंगे सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • 7 नवंबर को भारतीय हॉकी राष्ट्रीय प्रशासनिक निकाय के गठन के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया जाएगा। 7 नवंबर 1925 को ही ग्वालियर में हॉकी के लिए एक राष्ट्रीय निकाय का आधिकारिक रूप से गठन किया गया था, जिसके बाद भारतीय हॉकी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। इस ऐतिहासिक अवसर श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा इन्दौर के 15 वरिष्ठ हॉकी खिलाडियों एवं 40 युवा खिलाडियों को सम्मानित किया जाएगा। उक्त जानकारी ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल, मदन परमालिया एवं संयोजक संतोष यादव एडव्होकेट ने बताया कि शहर में पहली बार हॉकी को बढ़ावा देने के उद्देश्य को लेकर ट्रस्ट के संरक्षक एवं अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल आगे आए और खेल की भावनाओं को जागृत करने के उद्देश्य से यह सम्मान समारोह 7 नवंबर को रीगल तिराहा स्थित पुलिस अधीक्षक प्रांगण में स्थित इंडियन कॉफी हाउस सभागृह में आयोजित किया गया है।

केन विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय टी-20 से संन्यास ले लिया

वेलिंग्टन (एजेंसी) • न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियमसन ने आगामी टी20 विश्वकप से पहले अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। केन विलियमसन ने अपने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा, 'मैं लंबे समय से इस टीम का हिस्सा रहा हूं और इसके लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे और टीम दोनों के लिए सही समय है। इससे टीम को आगे की सीरीज और टी-20 विश्व कप के लिए स्पष्ट दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि मिच शानदार कप्तान हैं और

टीम को आगे ले जाने का यह उनका समय है। मैं अब दूर से उनका समर्थन करूंगा।' न्यूजीलैंड के कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, 'यह फ़ैसला पूरी तरह समझ में आता है। क्रिकेट बहुत कुछ मांगता है और केन ने काफी योगदान दिया है। वह एक शानदार टीम मैन हैं और उनका अनुभव व शांत स्वभाव टीम के लिए अमूल्य है।' अक्तूबर 2011 में पर्दापण करने के बाद से उन्होंने 93 टी-20 मैचों में 33.44 की औसत से 18 अर्धशतक लगाते हुए 2575 रन बनाए, इसमें 95 का सर्वोच्च स्कोर शामिल है। विलियमसन ने न्यूजीलैंड को 2021 टी-20 विश्वकप के फाइनल तक पहुंचाया था, लेकिन उस दौरान उनका बेहतरीन 85 रन का योगदान भी टीम को जीत नहीं दिला सका। उन्होंने 75 मैचों में कप्तानी भी की। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज से स्वयं को अलग रखा था और इंग्लैंड के खिलाफ 1-0 की हार में भी जांघ की चोट के कारण नहीं खेले। टी-20 से संन्यास के बाद अब उनका पूरा ध्यान दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज पर रहेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बयान में कहा कि विलियमसन अब संभवत: 26 नवंबर से शुरू होने वाले प्लंकेट शील्ड मैच में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट के लिए खेलेंगे, जो वेस्टइंडीज के खिलाफ दो दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट की तैयारी होगी।

तेलुगु फिल्म 'बोनी' से पहला बड़ा ब्रेक मिला था कृति

मुंबई (एजेंसी) • कृति खरबंदा के कॅरियर की शुरुआत मॉडलिंग और विज्ञापन फिल्मों से हुई, जहां उनकी मासूम मुस्कान ने लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद साल 2009 में उन्हें तेलुगु फिल्म 'बोनी' से पहला बड़ा ब्रेक मिला। दक्षिण भारतीय फिल्मों में कुछ सालों तक अपनी प्रतिभा साबित करने के बाद उन्होंने 2016 में फिल्म 'राज रिबूट' से बॉलीवुड में कदम रखा। कृति के करियर का असली मोड़ 2017 में आया, जब वह राजकुमार राव के साथ फिल्म 'शादी में जरूर आना' में नजर आईं। उत्तर प्रदेश के एक छोटे शहर की पीसीएस अधिकारी आरती शुक्ला का उनका किरदार आज भी दर्शकों के दिल में ताजा है। कृति ने इस भूमिका को सिर्फ निभाया नहीं, बल्कि उसे जिया। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म की शूटिंग के दौरान जब वह पारंपरिक दुल्हन के जोड़े में तैयार हुईं, तो सेट का माहौल इतना वास्तविक था कि उन्हें लगा मानो यह उनकी अपनी शादी हो रही हो। शादी की रस्में, सजावट, परिवार का भावुक माहौल इन सबने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया। कृति के अनुसार, उस पल में काल्पनिक और वास्तविकता की सीमाएं धुंधली हो गई थीं। उन्होंने बताया कि वह बार-बार भावुक हो जाती थीं, क्योंकि उस दृश्य में वह उस लड़की की भावनाओं को महसूस कर रही थीं, जो अपने सपनों और स्वाभिमान के बीच चुनाव कर रही है। यही गहरा जुड़ाव उनके अभिनय में सच्चाई लेकर आया।

राजामौली ने दो फिल्मों को मिलाकर बनाया नया संस्करण

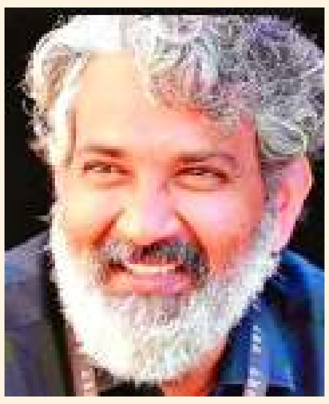

मुंबई (एजेंसी) • सुपरहिट फिल्मों 'बाहुबली: द बिगिनिंग' और 'बाहुबली: द कंक्लूजन' को एक साथ जोड़कर फिल्ममेकर एस.एस. राजामौली एक नया सिनेमाई अनुभव पेश करने जा रहे हैं। राजामौली की इस नई फिल्म का नाम 'बाहुबली: द एपिक' रखा गया है। इस संयुक्त संस्करण में कई महत्वपूर्ण दृश्यों को हटा दिया गया है, ताकि फिल्म की कहानी और भावनात्मक प्रवाह को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। एक इंटरव्यू में राजामौली, प्रभास और राणा दग्गुबाती ने बताया कि फिल्म में कई ऐसे सीन काटे गए हैं, जो पहले दर्शकों के बीच लोकप्रिय रहे थे। इनमें तमन्ना भाटिया का मशहूर गाना 'पाचा बोट्टेसिना' भी शामिल है। राजामौली के अनुसार, फिल्म का उद्देश्य केवल दोनों फिल्मों को जोड़ना नहीं था, बल्कि कहानी को इस तरह गढ़ना था कि दर्शकों को यह एक नई और निरंतर यात्रा जैसा अनुभव दे। निर्माताओं के अनुसार, 'बाहुबली: द एपिक' का प्रारंभिक रनटाइम 5 घंटे 27 मिनट का था, जिसे एडिटिंग के बाद घटाकर 3 घंटे 43 मिनट किया गया है।

उज्जैन संभाग

शिप्रा प्रदक्षिणा यात्रा शुरू, संतों ने किया पूजन, उग्दम स्थल तक जाएगी यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन में त्रिशूल शिवगण वाहिनी द्वारा आयोजित शिप्रा प्रदक्षिणा यात्रा रविवार को रामघाट पर मां शिप्रा के पूजन के बाद प्रारंभ हुई। इस यात्रा में संत-महात्माओं सहित लगभग 100 लोगों का दल शामिल है, जो शिप्रा नदी के उद्गम स्थल तक जाएगा। यात्रा का मुख्य उद्देश्य नदी को प्रदूषण मुक्त रखना और जल संरक्षण के प्रति जन जागरण करना है। यात्रा के शुभारंभ से पूर्व रामघाट पर संत-महंतों ने मां शिप्रा का विधि-विधान से पूजन किया और चुनरी अर्पित की। जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर शैलेश आनंद गिरि और निर्मोही अखाड़ा के महंत ज्ञान दास महाराज के मार्गदर्शन में यह प्रदक्षिणा यात्रा शुरू हुई। यह यात्रा शिप्रा नदी के उद्गम स्थल ग्राम बोलासा, दकनासोडी और मुडला दोसर तक पहुंचेगी। 3 नवंबर को उद्गम स्थल से वापसी पर यह सिमरोड, उन्हेल, आलोट, सिपावरा, शिप्रा-चंबल संगम, महिदपुर और नारायणा धाम होते हुए 5 नवंबर की शाम को रामघाट पहुंचेगी। यात्रा के दौरान विभिन्न पड़ाव स्थलों पर सनातन पंचायत के माध्यम से धर्म चेतना सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इन सभाओं में नदी, नारी और न्याय जैसे विषयों पर चर्चा होगी। साथ ही, शिप्रा नदी को उसके पौराणिक स्वरूप में लौटाने और उसे निर्मल बनाने के लिए आम नागरिकों को जल संवर्धन हेतु प्रेरित किया जाएगा। यात्रा का समापन 5 नवंबर को रामघाट पर 'एक दीया शिप्रा के नाम' अभियान के साथ होगा। यह अभियान शिप्रा नदी के प्रति आस्था और उसके संरक्षण के संकल्प को दर्शाएगा। यात्रा के प्रारंभ में महामंडलेश्वर शैलेश आनंद गिरि, महंत ज्ञान दास, महंत विशालदास, महंत रामेश्वर दास, महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद, महामंडलेश्वर भागवातानंद गिरी, महामंडलेश्वर प्रेमानंद, स्वामी रंगनाथाचार्य, पूर्व विधायक पारस जैन, त्रिशूल शिवगण वाहिनी के आदित्य नागर और सुरेन्द्र चतुर्वेदी सहित कई संत और श्रद्धालु उपस्थित थे।

आज दो बार नगर भ्रमण पर निकलेंगे भगवान महाकाल

हरिहर मिलन की रात्रि सवारी में आतिशबाजी रहेगा प्रतिबंध

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • भगवान महाकाल सोमवार को दो बार नगर भ्रमण करेंगे। कार्तिक मास की दूसरी सवारी शाम चार बजे निकलेगी, जिसके बाद रात 11 बजे बाबा महाकाल हरिहर मिलन की सवारी के लिए गोपाल मंदिर जाएंगे। रात की सवारी के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ी चौकसी बरती जाएगी। शाम चार बजे निकलने वाली भगवान महाकाल की कार्तिक मास की दूसरी सवारी धूमधाम से परंपरागत मार्ग से शिप्रा नदी पहुंचेगी। यहां पूजन के बाद सवारी वापस मंदिर लौटेगी।

इसी दिन रात्रि 11 बजे बाबा महाकाल पालकी में सवार होकर एक बार फिर गोपालजी से भेंट करने जाएंगे। पुलिस ने रात्रि में निकलने वाली इस सवारी में आतिशबाजी करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही मार्ग की सभी गलियों को बैरिकेड्स लगाकर बंद किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि रात की सवारी में पुलिसकर्मी कड़ी चौकसी रखेंगे। सवारी के दौरान हिंगोट, खतरनाक पटाखे और रॉकेट आदि चलाने पर पूर्ण प्रतिबंध है। अतिरिक्त पुलिस बल सवारी निकलने से दो घंटे पहले मार्ग पर तैनात किया जाएगा और पूरी सवारी की रिकॉर्डिंग की जाएगी।

फायर ब्रिगेड दल, मोटरसाइकिल फायर ब्रिगेड और फायर एक्सटिंग्विशर कर्मियों को पालकी के आगे-पीछे तैनात किया जाएगा। इसके अलावा, सवारी मार्ग में आने वाली लगभग 20 गलियों में भी फायर एक्सटिंग्विशर कर्मियों की तैनाती होगी।

एसपी ने चेतावनी दी कि हुड़दंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हरिहर भेंट की सवारी के दौरान पूर्व में आतिशबाजी के कारण आगजनी और श्रद्धालुओं के घायल होने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिसके मद्देनजर इस बार पुलिस प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है।

सिर्फ सड़क और सुविधाओं के ही काम होंगे: लैंड पूलिंग - किसानों की लिखित सहमति जरूरी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ 2028 के लिए बनाई जा रही लैंड पूलिंग योजना पर सरकार ने अपना रुख बदल लिया है। अब किसी भी किसान या जमीन मालिक की जमीन को विकास कार्यों के लिए लेने से पहले उसकी लिखित सहमति जरूरी होगी। कलेक्टर रोशनकुमार सिंह ने बताया कि राज्य शासन ने यह निर्णय नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 50(11) के तहत मंजूर किया है। इसके अनुसार, सिंहस्थ क्षेत्र की जमीन पर अब सिर्फ मुख्य सड़कों, सार्वजनिक सुविधाओं और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण ही किया जा सकेगा। यह सहमति प्रक्रिया पूरी तरह स्वैच्छिक (यानी बिना दबाव) होगी। धारा 50(12) के तहत अगर किसी जमीन की जरूरत सड़क, सार्वजनिक सुविधा या निर्माण कार्य के लिए पड़ेगी, तो वह जमीन कानूनी प्रक्रिया के तहत और उचित मुआवजा देकर ही ली जाएगी। अब तक सिंहस्थ क्षेत्र के कई किसान अपनी जमीन लैंड पूलिंग योजना में जाने को लेकर असमंजस और विरोध में हैं।

5 फीट की टीना को ढाई फीट के रोहित से प्यार ; परिवार की मर्जी के बगैर की शादी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन में ढाई फीट हाइट के रोहित को पांच फीट लंबी लड़की टीना से प्यार हो गया। प्यार परवान चढ़ा तो घर से भागकर शादी कर ली। शहर के नईपैठ में रहने वाले रोहित नागमोतिया (35) जन्म से ही दिव्यांग हैं। उनकी लव स्टोरी की शुरुआत 2016-2018 के बीच हुई। दोनों में फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए बातचीत शुरू हुई। एक ही समाज का होने के कारण कई बार कार्यक्रमों में भी मुलाकात होने लगीं। फिर 2019 में वैलेंटाइन डे के मौके पर रोहित ने टीना को प्रपोज कर दिया। इससे नाराज होकर टीना ने रोहित को ब्लॉक कर दिया था। ऐसे में रोहित ने कॉल किया और आगे से ऐसी कोई बात नहीं करने का वादा किया।

कुछ वक्त बाद फिर दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। आखिरकार टीना ने रोहित का प्यार कबूल कर उसे जिंदगी भर के लिए अपना लिया। रोहित चलने-फिरने में भी सक्षम नहीं है। ऐसे में नहाने से लेकर कपड़े पहनाने और दिनभर की दूसरी दिनचर्या में पत्नी टीना ही मदद करती है। उनकी 2 साल की

एक बेटी भी है। टीना नागमोतिया ने बताया कि मेरे पापा को जब हमारी लव स्टोरी के बारे में पता चला तो उन्होंने विरोध किया। रोहित ने भी अपने घर पर बताया। उन्हें भी विरोध का सामना करना पड़ा। इसके बाद 4 मई को हम लोग घर से भागकर आष्टा पहुंच गए। यहां रोहित के दोस्तों की मदद से हमने कोर्ट मैरिज कर ली। कुछ दिन वहीं रहे। फिर घर लौट आए। यहां हमने सबको अपनी शादी के बारे में बता दिया। आखिरकार परिवार के लोग राजी हो गए।

पारिवारिक विवाद में व्यक्ति ने खुद को आग लगाई 80प्रतिशत झुलसा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन के फ्रीगंज क्षेत्र की शिवाजी पार्क कॉलोनी में एक अधेड़ व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के चलते खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को तत्काल चरक अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसकी नाजुक हालत को देखते हुए इंदौर रेफर कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रविवार दोपहर माधवनगर थाना क्षेत्र के शिवाजी पार्क से पुलिस को सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने झुलसे व्यक्ति को चरक अस्पताल पहुंचाया। नागझिरी सनराइज सिटी निवासी राजेंद्र पिता रामचंद्र शर्मा फर्नीचर बनाने का काम करता है। राजेंद्र ने पुलिस को बताया कि मेरी पत्नी और बेटी को शिप्रा विहार निवासी संतोष कुमार अपने साथ ले गया है। जिससे मैं परेशान था। इसी के चलते मैंने यह कदम उठाया है। राजेंद्र करीब 80 प्रतिशत झुलस गया है, जिसके कारण उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घायल राजेंद्र के भाई अजय ने बताया कि राजेंद्र का उसकी पत्नी ज्योति से लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस संबंध में नागझिरी थाने में शिकायत भी की थी, लेकिन पुलिस ने उनकी सुनवाई नहीं की। आज उसे पत्नी ज्योति, दामाद मोंटी, रिश्तेदार संतोष और उसके फूफा ने जला दिया। सीएसपी दीपिका शिंदे ने बताया कि राजेंद्र की बेटी माही से बातचीत करने पर जानकारी मिली है कि उसके पिता मां के साथ आए दिन विवाद और मारपीट करते थे। माही अपने पति मोंटी के साथ अलग रहती है, जबकि उसकी बहन मां के साथ अलग रहती है।

न्यूज ब्रीफ

निगम के लंबित मामलों पर होगी उच्च स्तरीय बैठक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगर पालिक निगम से जुड़े लंबित मामलों और शहर के प्रमुख विकास कार्यों की समीक्षा के लिए सोमवार को सिटी बस कार्यालय सभागार में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ विभाग के एसीएस संजय दुबे भी मौजूद रहेंगे। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और मेट्रो रेल प्रोजेक्ट से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इस बैठक में लंबित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ शहर में निर्माणाधीन फ्लाईओवरों के आसपास यातायात और नागरिकों को हो रही परेशानियों पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी। महापौर पुष्यमित्र भार्गव इस मुद्दे को प्राथमिकता से उठाएंगे ताकि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान निकाला जा सके।

सांवेर विधानसभा क्षेत्र में मिलेगी 2 करोड़ 80 लाख 50 हजार की 25 आंगनवाड़ी भवनों की सौगात

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सांवेर विधानसभा क्षेत्र की 25 ग्राम पंचायतों को जल्द ही आंगनवाड़ी भवनों का उपहार मिलने जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया इन भवनों का भूमिपूजन करेंगी। मंत्री भूरिया 3 नवम्बर को सांवेर पहुंचेंगी और यहां अंकित परिसर में आयोजित महिला सम्मेलन में सहभागिता करेंगी। साथ ही आँगनवाड़ी केन्द्रों का भूमिपूजन भी करेंगी। जल संसाधन मंत्री एवं क्षेत्र के विधायक तुलसीराम सिलावट ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा सांवेर विधानसभा की 25 ग्राम पंचायतों में आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण के लिए कुल 2 करोड़ 80 लाख 50 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। प्रत्येक भवन पर लगभग 11 लाख 22 हजार रुपए व्यय किए जाएंगे।

टीचर को स्कूल खुलने और छुट्टी, दोनों समय हमारे शिक्षक ऐप पर करना होगी ऑनलाइन हाजिरी दर्ज

तीन माह की छूट, अब ई-अटेंडेंस के आधार पर मिलेगा वेतन

गड़बड़ी हुई तो प्राथमिक तौर पर नियंत्रणकर्ता विकासखंड शिक्षा अधिकारी माना जाएगा पूरी तरह दोषी, ई-अटेंडेंस को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● सख्ती बरती है। अब किसी भी शिक्षक का वेतन बिना ऑनलाइन उपस्थिति के आहरित नहीं हो पाएगा। इन्हें स्कूल खुलने और बंद यानि छुट्टी के समय हमारे शिक्षक ऐप पर हाजिरी लगाना होगी। विभाग का कहना है कि दो की बजाय तीन माह का ट्रायल हो चुका है। शिक्षकों की जो समस्या थी उसको सुना और समझा गया। अब व्यवस्था के आधार पर काम करना होगा। विभाग के अनुसार अब यह नहीं चलेगा कि व्यावहारिक या तकनीकी खामियां आ रही हैं। जुलाई से लेकर सितंबर तक हर ब्लॉक में मोबाइल संचालन, इंटरनेट सहित प्रत्येक पहलुओं को परखा गया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे राज्य में कहीं पर भी इंटरनेट सेवा प्रभावित नहीं है। ट्रायल के तौर पर टीचरों को यह छूट इसलिए भी दी गई थी कि इनकी ओर से निरंतर

हर विकासखंड का अध्ययन किया। कहीं पर भी इंटरनेट की समस्या नहीं है। इसलिए अब नवंबर से सख्त व्यवस्था होगी। नवंबर का जो दिसंबर में वेतन तैयार होगा। वह ऑनलाइन उपस्थिति के आधार पर ही निकलेगा। जिला शिक्षा अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए

गए हैं। वेतन बिल तैयार करने की जो व्यवस्था है। वह अभी पूर्ववत रहेगी । संकुलों से बिल विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय जाएंगे। जहां बीईओ कार्यालय से ही शिक्षकों के ऑनलाइन बिल पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे।

लोक शिक्षण संचालनालय कहना है कि यदि सिस्टम में कहीं छेड़छाड़ की जाती है तो वह भी दो मिनट में पकड़ ली जाएगी। लोक शिक्षण संचालक का कहना है कि जुलाई से यह व्यवस्था शुरू की गई थी। इसलिए जुलाई और अगस्त में इसका ट्रायल था। फिर भी शिक्षकों ने इंटरनेट संबंधी समस्या बताई तो सितंबर तक इसे बढ़ा दिया गया था। इसके बाद निर्देश दिए गए थे कि अक्टूबर का जो वेतन आहरण होगा वह ई-अटेंडेंस पर ही आधारित रहेगा। जानकारी है कि कई जिलों में अक्टूबर माह के बिल भी अनेक विकासखंड शिक्षा अधिकारियों ने ऑफलाइन लगाए हुए हैं। इसलिए इनका परीक्षण करने की तैयारी है।

लोक शिक्षण संचनालय द्वारा जिस ऑनलाइन उपस्थिति को शुरू किया गया है। मैदानी स्तर पर उसकी व्यवस्था की पूरी चाबी विकासखंड शिक्ष अधिकारियों के हाथों में है। कारण है कि जब यह नया काम प्रारंभ किया गया था तो प्रत्येक ब्लॉक के विकासखंड शिक्षा अधिकारी और वहां कार्यरत ऑपरेटर को ही भोपाल में प्रशिक्षण दिया गया था। इन्हें पूरी विधियां बताई गई थी कि किस प्रकार शिक्षकों की प्रतिदिन की ऑनलाइन उपस्थिति को दर्ज करना है। विभाग का कहना है कि सिस्टम का नियंत्रण मुख्यालय स्तर से भी है। इसलिए वहां जो कुछ हो रहा है कि यहां से भी उसका अवलोकन किया जा रहा है।

इनका कहना

ट्रायल पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। शिक्षकों की शिकायतों को मान्य करते हुए दो की बजाय तीन माह का ट्रायल किया । कहीं कोई समस्या नहीं है। अब हर स्कूल में शिक्षक के वेतन का आहरण ऑनलाइन उपस्थिति के आधार पर निकलेगा ।

- शिल्पा गुप्ता,
कमिश्नर, लोक शिक्षण संचालनालय

चूहों ने फिर किया इंदौर को शर्मसार, सबसे पुराने पुल के एक हिस्से को किया खोखला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर की सबसे पुरानी संरचनाओं में से एक, दशकों पुराने शास्त्री ब्रिज का एक हिस्सा ढहने से रविवार सुबह एक बड़ी सुरक्षा चिंता पैदा हो गई, जिससे एक बड़ा गड्ढा बन गया। यह घटना गांधी प्रतिमा से शास्त्री मार्केट की ओर जाने वाली गली में हुई, जिसके कारण यातायात को तुरंत डायवर्ट करना पड़ा।

ढहने से फुटपाथ के पास लगभग पाँच फुट गहरा और छह फुट लंबा गड्ढा बन गया। पुल का भीतरी हिस्सा पूरी तरह से खोखला पाया गया, जिसमें पुराने मज़बूत सरिए बाहर निकले हुए थे, जिससे मरम्मत की लंबे समय से लंबित आवश्यकता उजागर हुई। पुल में पहली बार सुबह लगभग 10 बजे अस्थिरता के लक्षण दिखाई दिए, जब सड़क के अचानक धंसने से पहले एक छोटा सा गड्ढा दिखाई दिया, जिससे एक बड़ा गड्ढा बन गया।

यातायात पुलिस और इंदौर नगर निगम (आईएमसी) के अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया और वे घटनास्थल पर पहुँचकर बैरिकेड्स लगा दिए, जिससे वाहनों को क्षतिग्रस्त हिस्से से गुजरने से रोका जा सके और एक संभावित त्रासदी टल गई। नगर निगम

के विशेषज्ञों को भी कारण की जाँच के लिए भेजा गया। आईएमसी लोक निर्माण समिति के प्रभारी राजेंद्र राठौर ने कहा कि प्रारंभिक निरीक्षण से चूहों के गंभीर संक्रमण का संकेत मिला है।

हमने मौके पर एक टीम भेजी है। वहाँ बहुत सारे चूहे हैं,' राठौर ने कहा। 'उन्होंने बिल बना लिए हैं और पुल के नीचे की मिट्टी को खोखला कर रहे हैं, जिसकी वजह से पुल ढहने की संभावना है। ' आईएमसी कमिश्नर दिलीप यादव ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि एक टीम मरम्मत और जीर्णोद्धार के लिए ज़रूरी कदम उठाने के लिए नुकसान का आकलन कर रही है। शास्त्री ब्रिज, जो 1950 के बाद मध्य भारत सरकार के शासनकाल में बना था, लगभग 75 साल पुराना है और शहर का पहला सिंगल-लेन ब्रिज था।

वर्षों से रखरखाव की बार-बार माँग के बावजूद, नगर निगम ने कोई खास मरम्मत नहीं की है। यह पुल अब इंदौर के बढ़ते यातायात के लिए बहुत संकरा माना जाता है और इसे एक चौड़े ढाँचे से बदलने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। इस पुल के ढहने से यात्रियों को भारी असुविधा हुई है और इसने पूरे शहर में बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा की व्यापक समीक्षा की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया है।

सीपी संतोष सिंह की ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर में चूक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह की एक अच्छी-खासी मुहिम को पलीता लगाने में अधिकारी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। सिंह ने एक महीने पहले व्हाट्सएप नंबर जारी किया था। यह नंबर रहवासियों के लिए शहर में ट्रैफिक समस्या की शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए था, लेकिन इसमें ऐसा कांड हुआ कि लोगों का विश्वास ही उठ जाए।

सीपी संतोष सिंह की पहल पर इंदौर यातायात प्रबंधन पुलिस ने व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर-7049107620 जारी किया था। इस नंबर पर आने वाली ट्रैफिक संबंधी शिकायतों को तत्काल संबंधित अधिकारियों के पास पहुंचाकर उन्हें दूर कराया जाता है। वहीं, नंबर पर कोई भी शिकायत की जानकारी दे सकता है। यह जनभागीदारी से ट्रैफिक समस्या दूर करने

का प्रयास है।

इस नंबर पर इंदौर के एक व्यक्ति ने दो दिन पहले शिकायत मय फोटो के साथ दर्ज कराई। इसमें बताया गया कि बीआरटीएस पर गलत तरीके से कार खड़ी है, जिससे ट्रैफिक बाधित हो रहा है।

इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर जाकर गाड़ियों पर कार्रवाई की। वहीं, जब उन लोगों ने पूछा कि यह शिकायत किसने की, तो व्हाट्सएप नंबर हैंडल करने वाले ने शिकायतकर्ता का नंबर ही संबंधित कार मालिक को बता दिया। साथ ही, शिकायत की पूरी गोपनीयता ही भंग कर दी।

अब शिकायत करने वाले व्यक्ति को कार मालिक फोन करके परेशान कर रहा है कि मेरी शिकायत क्यों की गई। इस संबंध में जब शिकायतकर्ता ने इसी व्हाट्सएप नंबर पर कहा कि आपने मेरी शिकायत की जानकारी और नंबर कार मालिक को क्यों दिया। इससे गोपनीयता भंग हो गई, वह मुझे फोन कर रहे हैं।

इस पर व्हाट्सएप नंबर पर जवाब दिया गया कि क्योंकि उनकी गाड़ी वहां नहीं थी। आपके जरिए भेजी गई फोटो में गाड़ियां साइड में खड़ी थीं। इस पर शिकायतकर्ता ने आपत्ति ली- तो क्या मेरा नंबर दे दोगे? इस पर फिर व्हाट्सएप नंबर हैंडल करने वाले ने कहा कि हमने मना किया था, लेकिन इसका जवाब नहीं था कि यदि मना किया था, तो नंबर क्यों दिया। इस पर कोई जवाब नहीं दिया गया।

समय से पहले सरकारी नौकरी छोड़ने वाले खनिज अधिकारी लुणावत को पेंशन पर मिली राहत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विवादित सहायक खनिज अधिकारी संजय लुणावत को पेंशन पर बड़ी राहत मिल गई है। बता दें कि संजय लुणावत ने आरोपों के बाद दिसंबर 2024 में नौकरी से वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति) ले लिया था। गंभीर आरोपों के चलते मप्र शासन ने उनकी पेंशन रोक दी थी। इसके खिलाफ वह हाईकोर्ट इंदौर खंडपीठ में गए थे।

वीआरएस के बाद संजय लुणावत की पेंशन रोक दी गई थी। उन पर रतलाम में पदस्थ रहने के दौरान महिला संबंधी अपराध दर्ज हुआ था। इसी केस का हवाला देकर पेंशन रोकी गई। इस पर लुणावत ने इंदौर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ता लुणावत के वकील ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता 20 दिसंबर 2024 को सहायक खनिज अधिकारी, कलेक्ट्रेट, इंदौर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्हें आपराधिक

मामला लंबित होने का बहाना बनाकर मध्य प्रदेश सिविल सेवा पेंशन नियम, 1976 के प्रावधानों के अनुसार अनंतिम पेंशन का भुगतान भी नहीं किया गया है।

हाईकोर्ट ने आदेश दिए कि याचिकाकर्ता की अनंतिम (प्रोविजनल) पेंशन तत्काल प्रदान करें। कोर्ट ने कहा- केवल आपराधिक मामले के लंबित होने के आधार पर इसे रोका नहीं जा सकता है। संबंधित अधिकारी याचिकाकर्ता की पेंशन के बकाया के संबंध में भी निर्णय लेगा। यह कार्रवाई दो सप्ताह की अवधि के भीतर शीघ्रता से की जाएगी।

उन पर महिला संबंधी अपराध है और वह जेल भी गए थे। ऐसे में उनका ट्रांसफर, पोस्टिंग नहीं की जा सकती है। साथ ही इंदौर के ठेकेदार पीडी अग्रवाल, जिसकी खदान की जांच का जिम्मा उन्हें सौंपा गया था, वह खुद उनकी दी कार में घूमते थे। इन खुलासों के बाद उनका श्योपुर ट्रांसफर आदेश हो गया था। इससे परेशान होकर लुणावत ने वीआरएस ले लिया था। वहीं विभाग के जरिए वीआरएस मंजूरी के जारी हुए पत्र में लिखा था कि सहायक खनिज अधिकारी लुणावत के खिलाफ आपराधिक केस 1848/2021 रतलाम कोर्ट में विचाराधीन है और विभागीय जांच प्रचलित है। इसलिए जीएडी नियम के अनुसार उन्हें अनंतिम पेंशन देय होगी। यह पेंशन आपराधिक प्रकरण, विभागीय जांच में दोषसिद्ध होने पर रोकी जा सकेगी, लेकिन इसके बाद भी पेंशन नहीं दी गई थी।

जिंसी शंकरगंज के रहवासी दुकानदारों में दहशत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सड़क चौड़ीकरण शहर के टैक्स पेयर नागरिकों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। मालिकाना हक की पूरी तरह से वैध घर दुकान खोने पर बेघर बेरोजगार होने का डर सताने लगा है। पीढ़ियों के पुरुषार्थ से बना आशियाना कुछ थोड़ा बचाने के लिए रहवासी लामबंद होने लगे हैं। रविवार को गली के नुक्कड़ पर मीटिंग कर संघर्ष की राह तय की गई और फिर मदद के लिए मोहल्ले के वरिष्ठजन व शहर व प्रदेश के प्रतिष्ठित नेता कृपाशंकर शुक्ला व सत्यनारायण सत्तन के घर पहुंचे रहवासी। दोनों ही नेता ने रहवासियों के समर्थन में पुरजोर सहयोग करने का ऐलान किया। सत्तन ने बताया कि उनकी पूर्व में भी इस विषय पर शासन प्रशासन के साथ ही दिल्ली से आए अधिकारियों से भी बात हुई थी और 60 फीट पर सहमति बनी थी। सत्तन जी ने यह भी कहा कि जब प्रमुख जवाहर मार्ग व एमजी रोड 60 फीट बनाए गए हैं तो फिर ये गली गलियारे 80 फीट का औचित्य क्या है, सत्तन ने रहवासियों को आश्वस्त किया और मैदानी संघर्ष में भी सहयोग का ऐलान किया है।

ब्रेन डेड एडवोकेट की स्किन से बचेंगी और 5 जिंदगियां

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में लंग्स में इन्फेक्शन के चलते ब्रेन डेड घोषित एडवोकेट अभिजीता राठौर ने कई लोगों को जिंदगी दी है। उनकी दोनों किडनियां और लिवर इंदौर में ही 3 मरीजों को ट्रांसप्लांट किए गए। तीनों मरीज काफी गंभीर थे।

अब अभिजीता की स्किन भी 5 से ज्यादा झुलसे लोगों को नई जिंदगी देगी। अस्पताल में उनकी स्किन और कॉर्निया वहां मौजूद लोगों को विशेष मेडिकल पारदर्शी बॉक्स और बोतल में दिखाए गए। उनका महत्व और सर्जरी की प्रोसेस भी समझाई गई। यह नजारा जज्बातों से भरा था। अभिजीता के परिजन भावुक हो उठे।

38 वर्षीय अभिजीता को 25 अक्टूबर को लंग्स में इन्फेक्शन के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनके ब्रेन में ब्लड क्लॉट (खून जमना) हो गया, जिसके चलते डॉक्टरों ने शनिवार को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया था। अस्पताल में मुस्कान ग्रुप के सेवादार और एक्सपर्ट संदीपन आर्य ने स्किन का स्पेशल मेडिकल बॉक्स हाथ में लेकर बताया कि यह त्वचा अनमोल है। वहीं, सेवादार जीतू बगानी ने कहा- डोनेट की गई स्किन मरीजों को 3 तरह से फायदा देती है। पहला घाव भरने में, दूसरा जले हुए हिस्से से निकल रहे पानी को बंद करने और तीसरा मरीज की खुद की स्किन बनाने में। खास बात यह है कि डोनेट की गई स्किन स्पेशल केमिकल में 5 साल तक सुरक्षित रह सकती है। इसे 4 डिग्री तापमान में स्टोर किया जाता है।

एक्सपर्ट संदीपन आर्य ने बताया कि अभिजीता का कॉर्निया (आंख की बाहरी पारदर्शी झिल्ली) ऐसे मरीजों के काम आएगा, जिनका कॉर्निया किसी कारणव??श घिस गया है और उनको दिखना कम हो गया है। कॉर्निया मृत्यु के आठ घंटे के अंदर निकाला जाना जरूरी है। इसे दो प्रकार के रसायन में रखा जाता है। एक एमके मीडिया होता है, इसमें कॉर्निया 72 घंटे सलामत रहता है। दूसरा रसायन कॉर्निया सोल होता है, जो महंगा है। इसमें कॉर्निया 15 दिन तक सुरक्षित रखा जा सकता है। अभिजीता का कॉर्निया इसी रसायन में रखा गया है। अभिजीता के पति प्रवीण ने कहा- अभिजीता के इस दुनिया के जाने के बाद भी उसकी आंखें दूसरे के काम आकर दुनिया देखेंगी, इससे बड़ा सुकून और क्या हो सकता है।

धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के नाम से धोखाधड़ी की कोशिश, महीने भर में तीसरा आईएएस बना शिकार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश में आईएएस अधिकारियों के नाम और फोटो का उपयोग कर ठगी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। महीने भर में तीन आईएएस अधिकारियों के नाम से साइबर ठगी की कोशिश प्रदेश में हुई है।

ताजा मामला धार जिला कलेक्टर प्रियंक मिश्रा का है। आईएएस प्रियंक मिश्रा के फोटो वाले वॉट्सऐप नंबर से ठगी की कोशिश की गई। बताया जा रहा है कि धार जिले के डही बीएमओ को कलेक्टर मिश्रा की फोटो लगे वॉट्सऐप से मैसेज मिला था। यह मैसेज मोबाइल नंबर से मिला था। बीएमओ ने इसकी जानकारी तुरंत कुक्षी एसडीएम विशाल धाकड़ को दी। जिसके बाद इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ धार प्रशासन ने नागरिकों और सरकारी अधिकारियों को इस प्रकार के साइबर फ्रॉड से अलर्ट रहने की चेतावनी दी है।

एसडीएम धाकड़ ने मामले की जांच कर पुष्टि की कि यह एक साइबर फ्रॉड की कोशिश थी। उन्होंने तुरंत बीएमओ को नंबर ब्लॉक करने और अन्य अधिकारियों को सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने नागरिकों को यह चेतावनी दी कि वे किसी भी संदिग्ध लिंक या संदेश पर क्लिक न करें। किसी को भी अपनी व्यक्तिगत जानकारी, बैंक डीटेल साझा करने से बचें।

धार जिला प्रशासन ने इस घटना के

बाद नागरिकों के लिए एक साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। इसमें बताया गया है कि कैसे साइबर अपराधी अब सरकारी अधिकारियों की पहचान का दुरुपयोग कर रहे है। यह अपराधी आम जनता को ठगने की कोशिश कर रहे हैं।

इससे पहले दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर और इसके बाद आईएएस भव्या मित्तल के नाम पर ऐसी ही ठगी की कोशिश हुई है। दमोह कलेक्टर कोचर व आईएएस भव्या मित्तल के फोटो व नाम का उपयोग कर ठगों ने वॉट्सऐप अकाउंट बनाकर लोगों को मैसेज किए थे। ताज़ा मामले में भी यहीं तरीका ठगों ने अपनाया है। हर बार प्रशासन और आईएएस अधिकारी की ओर से लोगों के लिए चेतावनी जारी की गई है।

एडवाइजरी में दिए गए मुख्य बिंदु

- किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश पर विश्वास न करें।
- अज्ञात लिंक या अटैचमेंट पर क्लिक न करें।
- व्यक्तिगत या बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें।
- साइबर अपराध की सूचना तुरंत पास के पुलिस स्टेशन या साइबर हेल्पलाइन पर दें
- ऑफिशियल प्रोफाइल की पहचान करें

आईएएस प्रियंक मिश्रा के साथ ठगी के इस मामले को ऐसे समझें - डही के बीएमओ को फर्जी व्हाट्सऐप संदेश मिला, जिसमें कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की फोटो लगी थी।

संदेश विदेशी नंबर (+84916423486) से आया, जिससे शक हुआ कि कोई व्यक्ति कलेक्टर बनकर ठगी की कोशिश कर रहा है।

बीएमओ ने तुरंत सूचना कुक्षी एसडीएम विशाल धाकड़ को दी, जिन्होंने जांच कर नंबर को ब्लॉक करने के निर्देश दिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।